सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 25 मार्च, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 194, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

जन्मदिवस पर विशेष

'जल पुरुष' डॉ. मोहन यादव का संकल्प हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अक्सर कहते हैं कि प्राचीन काल में भारत में पारस पत्थर हुआ करता था, जिसके स्पर्श से लोहा सोना हो जाता था। इस पारस पत्थर का काम पानी करता है जब वह सूखे खेतों पर पहुंचता है। जल के स्पर्श से खेतों में सुनहरी फसलें लहलहाती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के देश की धरती को 'शस्य श्यामला' बनाने के संकल्प से ही जुड़ा हुआ है मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प 'हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाना' जिससे हर खेत में सुनहरी फसलें लहलहाएं और किसान समृद्धशाली बने। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए वे निरंतर जुटे हुए हैं और इसके परिणाम स्वरुप प्रदेश ने गत 1 वर्ष में सिंचाई के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई ने दो दशक पहले देश की नदियों को जोड़कर हर खेत तक पानी पहुंचाने का सपना देखा था, जो राज्यों के बीच जल विवाद के चलते दो दशकों से अधिक समय से ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ था। केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल जैसी महत्वाकांक्षी अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाएं मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बीच सहमति न बन पाने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र सरकार और राज्यों से निरंतर चर्चा कर इन परियोजनाओं के गतिरोध को समाप्त किया और प्रदेश ने दो बड़ी परियोजनाओं के रूप में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की 100वीं जयंती पर मध्यप्रदेश आकर देश की पहली नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना केन-बेतवा का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि अब महाराष्ट्र सरकार के साथ वार्ता के बाद विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड वॉटर रीचार्ज अंतर्राज्यीय संयुक्त परियोजना 'ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना' का अवरोध दूर हो गया है। मध्यप्रदेश शीघ्र ही महाराष्ट्र सरकार के साथ इस संबंध में करार करने की ओर बढ़ रहा है। जल्द ही केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भोपाल आमंत्रित कर करार की कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि 'ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद

सिंचाई के क्षेत्र में हासिल की अभूतपूर्व उपलब्धियां

का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे।

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है, जिसमें केन नदी पर दौधन बांध एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। रूपये 44 हजार 605 करोड़ लागत की इस परियोजना के पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश के सूखाग्रस्त बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 08 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा और प्रदेश की 44 लाख आबादी को पेयजल सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही परियोजना से 103 मेगावाट बिजली का उत्पादन भी होगा, जिसका पूर्ण उपयोग मध्यप्रदेश करेगा। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिले-छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, निवाड़ी, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा एवं सागर के लगभग 02 हजार ग्रामों के लगभग 07 लाख 25 हजार किसान परिवार लाभांवित होंगे। सूखाग्रस्त बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भू-जल स्तर की स्थिति सुधरेगी। औद्योगीकरण, निवेश एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। इससे स्थानीय स्तर पर लोगों में आत्मनिर्भरता आयेगी तथा लोगों का पलायन रुकेगा। परियोजना के साकार रूप लेने पर मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी।

संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल अन्तर्राज्यीय नदी लिंक परियोजना के क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान राज्यों एवं केन्द्र के मध्य 28.01.2024 को त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ और दोनों राज्यों एवं केन्द्र के मध्य 05.12.2024 को जयपुर में अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित किया गया। परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ रूपये की है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ एवं राजस्थान 37 करोड़ की हिस्सेदारी होगी। परियोजना से मध्यप्रदेश में मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 11 जिले क्रमशः गुना, शिवपुरी, मुरैना, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, देवास, इंदौर, आगर-मालवा, शाजापुर एवं राजगढ़ जिलों में कुल 6.14 लाख हेक्टेयर नवीन सिंचाई एवं चंबल नहर प्रणाली के आधुनीकरण से भिंड मुरैना एवं श्योपुर के 3.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चत की जायेगी। परियोजना से लगभग 03 हजार 150 ग्रामों की 40 लाख आबादी लाभान्वित होगी एवं इस समेकित परियोजना में मध्यप्रदेश की 19 सिंचाई परियोजनाओं को शामिल किया गया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प है कि क्षिप्रा स्वच्छ और निरंतर प्रवहमान बने और सिहंस्थ 2028 में क्षिप्रा के जल में ही श्रद्धालुओं को स्नान कराया जाए। क्षिप्रा नदी के जल को शुद्ध रखने के लिए 900 करोड़ रूपये की लागत की 'कान्ह डयवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना' के द्वारा कान्ह नदी के दूषित जल को क्षिप्रा नदी में मिलने से रोका जायेगा। वर्ष-2028 से पहले यह योजना पूर्ण कर ली जायेगी। क्षिप्रा को वर्ष भर अविरल, प्रवहमान बनाने के लिए उज्जैन जिले की सेवरखेडी एवं सिलारखेड़ी (लागत लगभग 615 करोड़) योजना का कार्य भी आरंभ हो गया है। इससे आमजन एवं श्रद्धालुओं को पूरे वर्ष भर विशेष पर्वों पर उनकी धार्मिक भावनाओं के अनुरूप क्षिप्रा नदी में स्नान करने का अवसर मिलेगा। क्षिप्रा नदी पर सिंहस्थ में स्नान सुविधा के लिये क्षिप्रा नदी के दोनों तटों पर लगभग 29 किलोमीटर लंबाई में घाटों का निर्माण किया जायेगा, जिसकी राशि रू. 778.91 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है।

मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भू-जल स्तर को बढ़ाने, पेयजल संकट को दूर करने एवं सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'अटल भू-जल योजना' प्रारंभ की गई है। यह योजना प्रदेश के 06 जिलों के 09 विकासखण्डों में क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना से चयनित क्षेत्रों में भू-जल स्तर में सुधार होने से स्थानीय किसानों को लाभ प्राप्त होगा तथा किसानों की आय बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जल प्रदाय के लिये टिकाऊ जल स्त्रोत भी उपलब्ध हो सकेंगे। बांधों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। बांधों की सुरक्षा को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पूरी सजगता के साथ काम कर रही है। इसके लिये प्रदेश में 'डैम सेफ्टी रिव्यू पेनल' गठित है, जो प्रतिवर्ष संवेदनशील बांधों का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। आने वाले 05 वर्षों में प्रदेश के 27 बांधों की सुरक्षा एवं मरम्मत की जावेगी। इसके लिये विश्व बैंक के सहयोग से 551 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है।

लेखक- पंकज मित्तल म.प्र. जनसंपर्क विभाग के अधिकारी हैं

● विधानसभा में राष्ट्रपति बोलीं-

छत्तीसगढ़ से मुझे लगाव

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा छत्तीसगढ़ से मुझे लगाव है। मैं 5-6 बार यहां आ चुकी हूं। यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। इसलिए छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हैं। आप जैसे बरगढ़, संबलपुर को छत्तीसगढ़ का हिस्सा समझते हैं, हम भी रायपुर को ओडिशा का हिस्सा समझते हैं। राष्ट्रपति बोलीं, परिसीमन की सीमा है, लेकिन दिल की कोई दीवार नहीं है। दिल से हम सब एक। चाहे छत्तीसगढ़ हो या ओडिशा हो। राष्ट्रपति ने ये बातें विधानसभा के रजत जयंती कार्यक्रम के मौके पर कहीं। इससे पहले उन्होंने जय जोहार कहकर अपने भाषण की शुरुआत की थी। इससे पहले स्पीकर रमन सिंह ने कहा अब तक 565 विधेयक पारित हो चुके हैं।

मणिपुर हिंसा

चर्चा हो तो 'समाधान' दूर नहीं

● जस्टिस गवई बोले-राज्य में हर कोई शांति चाहता है ● कहा-मौजूदा हालात पर किसी की भी दिलचस्पी नहीं

इंफाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने रविवार को कहा कि संवैधानिक तरीकों से सभी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। जब संवाद होता है तो समाधान आसानी से मिल जाता है। जस्टिस गवई ने कहा, मणिपुर में जातीय संघर्ष से वहां के लोग बहुत परेशान हैं। हर को शांति बहाली चाहता है। कोई भी मौजूदा स्थिति को जारी रखने में दिलचस्पी नहीं रखता। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जजों के लिए उस राज्य (मणिपुर) का दौरा करना बहुत खुशी की बात है, जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारतीय राष्ट्रीय सेना ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। जहां 1944 में पहली बार भारतीय ध्वज फहराया गया था। दरअसल, जस्टिस गवई ने इंफाल में मणिपुर हाईकोर्ट की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के 6 जज जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह वाला प्रतिनिधिमंडल मणिपुर पहुंचा था। हमारी मणिपुर यात्रा न केवल देश के सबसे सम्मानित राष्ट्रीय नायकों में से एक को श्रद्धांजलि देने के लिए थी, बल्कि देश की सबसे खूबसूरत भूमि में से एक की यात्रा करने के लिए भी थी। हम संविधान को अपनाने के 75 साल मना रहे हैं। जब हम भारत की तुलना अपने पड़ोसी देशों से करते हैं, तो हमें एहसास होता है कि हमारे संविधान ने हमें मजबूत और एकजुट रखा है। जैसे महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश या जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा हैं, मणिपुर और अन्य सात बहनें भी इस देश का हिस्सा हैं। हम देश की एकता के लिए प्रयास करते हैं। मैंने और मेरे सहयोगियों ने फैसला किया था कि मणिपुर की यात्रा करेंगे।

सुप्रभात

अपने अकेले होने को
एक-एक अकेले के बीच रखने
अपने को हम लोग कहता हूँ।
कविता की अभिव्यक्ति के लिए
व्याकरण का अतिक्रमण करते
एक बिहारी की तरह कहता हूँ
कि हम लोग आता हूँ
इस कथन के साथ के लिए
छत्तीसगढ़ी में- हमन आवत हन।
तुम हम लोग हो
वह भी हम लोग हैं।

- विनोद कुमार शुक्ल

कैबिनेट में हुए अहम फैसले

400 गांवों में ओलों से खराब फसलों का मुआवजा मिलेगा: सीएम यादव

अफसरों को जल्द सर्वे करने को कहा, 4 बड़े सोलर प्लांट लगेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से 400 से ज्यादा गांवों में फसलों को नुकसान हुआ है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को तुरंत सर्वे करने और किसानों को राहत राशि देने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को कैबिनेट की बैठक में ये भी तय हुआ कि प्रदेश में चार जगह बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र (सोलर प्लांट) लगाए जाएंगे। इससे नगर निगमों और नगर पालिकाओं का बिजली खर्च कम होगा। साथ ही जल आपूर्ति योजनाओं के लिए भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पानी सप्लाई आसान और सस्ती होगी।गर्मी में पानी की कमी न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को तैयारी करने को कहा है। सिर्फ लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट बैठक हुई।

उज्जैन को बनाया जाएगा काल गणना का प्रमुख केंद्र- कैबिनेट में ये भी फैसला लिया गया कि उज्जैन को काल गणना का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा, क्योंकि यहां गणितीय सटीकता उच्च स्तर की मानी जाती है।

प्रदेश में चार बड़े बड़े सोलर प्लांट लगाए जाएंगे- मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि, प्रदेश में चार स्थानों पर बड़े सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। प्रदेश सरकार नगर निगमों और नगर पालिकाओं में सबसे अधिक खर्च वेतन, पेयजल और बिजली पर होता है। इसलिए फैसला लिया गया है कि चार बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएं, ताकि निकायों का बिजली खर्च कम हो।

जल योजनाओं के लिए भी सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे- मंत्री विजयवर्गीय- विजयवर्गीय ने बताया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समूह जल योजनाओं के लिए भी सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे जल आपूर्ति को सुचारू और किफायती बनाया जा सके।

गुड़ी पड़वा उत्सव में शामिल होंगे मंत्री-विधायक- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि गुड़ी पड़वा के अवसर पर सभी मंत्री अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर इस पर्व को मनाने में सहयोग करें। सभी मंत्री-विधायक इन कार्यक्रमों में शामिल रहें। अलग-अलग जिलों में ये पर्व अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। इसलिए स्थानीय परंपराओं के अनुसार नववर्ष समारोह आयोजित किए जाएंगे। इस दिन अधिक से अधिक लोगों को गुड़, धनिया और नीम की पत्तियां खाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वे स्वस्थ रह सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता के परिणाम अब दिखने लगे हैं। इसके तहत सभी प्रमुख सचिव साप्ताहिक समीक्षा कर रहे हैं। मुख्य सचिव महीने में एक बार और मुख्यमंत्री खुद हर दो महीने में इसका रिव्यू करेंगे।

मोहन कैबिनेट के प्रमुख फैसले

- उज्जैन को काल गणना का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा।
- प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर नववर्ष उत्सव मनाया जाएगा, मंत्री अपने-अपने जिलों में समारोह में शामिल रहेंगे।
- ओलावृष्टि से प्रभावित 400 से अधिक गांवों में फसल नुकसान का सर्वे कर किसानों को राहत राशि दी जाएगी।
- खजुराहो में ओबेरॉय ग्रुप को 19 एकड़ भूमि वैलनेस सेंटर बनाने के लिए दी जाएगी।
- प्रदेश में चार बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे, जिससे नगर निकायों और जल आपूर्ति योजनाओं की बिजली लागत कम होगी।
- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत भिंड-चंबल क्षेत्र में 18 एमओयू साइन हुए। ग्वालियर सहित अन्य क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएंगी।
- गर्मी में जल संकट से निपटने के लिए कलेक्टरों को टैंकरों से जल आपूर्ति और पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था के निर्देश।

मुख्य आरोपी फहीम के घर चला बुलडोजर

● 500 दंगाइयों को भड़काने का आरोप, देशद्रोह का केस

मुंबई (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर नागपुर में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर पर सोमवार को बुलडोजर चलाया गया। हिंसा के एक और आरोपी यूसुफ शेख के घर का अवैध निर्माण भी तोड़ा गया है। नागपुर नगर निगम ने संजय बाग कॉलोनी, यशोधरा नगर में मौजूद फहीम के मकान का अवैध निर्माण हटाने के लिए रविवार को 24 घंटे का समय दिया था, जो सोमवार को पूरा हो गया। फहीम का मकान उसकी पत्नी के नाम पर है। नगर निगम ने इसकी बिल्डिंग परमीशन अप्रूवल में गड़बड़ी को लेकर कार्रवाई का नोटिस दिया था। नागपुर में 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विवाद के बाद हिंसा हुई है। 6

शिमला में पैसेंजर विमान को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के शिमला में जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा होने से टल गया। दिल्ली से शिमला आए एलायंस एयर के विमान को तकनीकी खराबी आने के बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा। बताया गया है कि लैंडिंग के बाद विमान की स्पीड कम नहीं हुई थी। विमान में हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री और डीजीपी डॉ. अतुल वर्मा सवार थे। दोनों दिल्ली से शिमला लौट रहे थे। एलायंस एयर का 42 सीटर विमान दिल्ली से सुबह शिमला आता है। विमान में क्रू मेंबर्स समेत 44 यात्री थे। यह फ्लाइट दिल्ली से शिमला, शिमला से धर्मशाला, धर्मशाला से शिमला और शिमला से शाम को वापस दिल्ली जाती है।

विजयदत्त श्रीधर को मिला हिन्दी जगत का सर्वोच्च 'साहित्य वाचस्पति' सम्मान

आणन्द। हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ने माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल के संस्थापक-संयोजक एवं 'पद्मश्री' सम्मान विभूषित विजयदत्त श्रीधर को हिन्दी जगत के सर्वोच्च सम्मान 'साहित्य वाचस्पति' से सम्मानित किया। श्रीधरजी को यह सम्मान स्थानीय वल्लभ विद्यानगर स्थित सरदार पटेल विश्वविद्यालय सभागार में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के 76वें अधिवेशन के खुले अधिवेशन में प्रदान किया गया। श्रीधर के साथ यह सम्मान संस्कृत विद्वान पूर्व कुलपति 'अभिराज' राजेन्द्र मिश्र और सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति निरंजन कुमार पूरनचंद पटेल को भी प्रदान किया गया।

उन्हें यह सम्मान हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सभापति आचार्य सूर्यप्रसाद दीक्षित और सम्मेलन के प्रधानमंत्री कुंतक मिश्र ने प्रदान किया। सम्मान के पूर्व श्रीधर जी की प्रशस्ति का वाचन हुआ। इस अवसर पर श्रीधरजी ने अधिवेशन को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के जिस मंच पर खड़ा होना सौभाग्य का विषय हुआ करता है,वहां सम्मानित होना गौरव की बात है। उन्होंने समय रहते महत्वपूर्ण संगठनों में समय रहते युवा नेतृत्व को सामने लाना आवश्यक बताया। श्रीधर जी को अधिवेशन के राष्ट्रभाषा परिषद के सभापति का भी दायित्व सौंपा गया। ज्ञातव्य है कि सम्मेलन के इस सत्र के सभापति का दायित्व निभाने वालों में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भी शामिल रहे हैं। इसी तरह साहित्य वाचस्पति की मानद उपाधि ग्रहण करने वालों में महात्मा गांधी, मदनमोहन मालवीय, माधव राव सप्रे और कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जैसी विभूतियां शामिल रहीं।

विक्रम नाट्य समारोह में 'माधव' ने दी प्रेम समर्पण की सीख

विक्रमोत्सव

डॉ. जफर महमूद
उज्जैन से

विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र 125 दिवसीय विक्रमोत्सव से उज्जैन में सांस्कृतिक गतिविधियां पूरे शबाब पर हैं। विक्रम नाट्य समारोह के तीसरी शाम कुलविंदर बक्शीश निर्देशित नाटक माधव का मंचन हुआ। नाटक कृष्ण भक्ती से ओत प्रोत था। प्रेम के अनेक प्रसंगों को प्रस्तुति में व्यक्त किया गया था। कृष्ण की मृत्यु के बाद जब राधा के पास एक दूत यह सूचना लेकर जाता है कि कृष्ण दैहिक रूप से दुनिया को छोड़ चुके हैं। राधा इस बात को नहीं मानती। वह दूत से कहती है कृष्ण कण-कण में समाहित हैं। कृष्ण ही राधा है और राधा ही कृष्ण। दूत को भी राधा के रूप में कृष्ण की छवि दिखाई देती है। दूत कृष्ण से पूछता है कि कृष्ण ये कैसा प्रेम है? कृष्ण जवाब देते है- प्रेम में स्वामित्व नहीं समर्पण हो तो एक-दूसरे के प्रति प्रेम करने वाले एक हो जाते हैं।

प्रस्तुति माधव में धर्म, शत्रुता, मित्रता, दरिद्रता, संपन्नता, सम्मान, अपमान, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष, भय, ज्ञान, अज्ञान, वियोग, संयोग, विरह, प्रेम सभी का समावेश था। नृत्य और संगीत से समाज और मानव जीवन के हर पहलू को दिखाने की कोशिश की गयी थी। नृत्य और संगीत से सजी प्रस्तुति दर्शकों को बांधने में कामयाब रही। महिला कलाकारों की एक्टिंग, संवाद और नृत्य ने नाटक को खूबसूरत और प्रभावी बनाया। नाटक कई भागों में संपन्न होता है- कृष्ण और कर्ण का आपसी संवाद, कृष्ण के बचपन, यशोदा का वात्सल्य, गोपियों संग रासलीला, राधा और कृष्ण का संयोग, वियोग और विरह, कंस का वध, कृष्ण द्वारा अर्जुन को उपदेश, द्वारिका का निर्माण, सुदामा और कृष्ण का मिलन, गांधारी का श्राप और कृष्ण की मृत्यु। नाटक के मंचन से पूर्व महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, विक्रम विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कार्यपरिषद सदस्य राजेश कुशवाह, वरिष्ठ पुराविद डॉ. रमण सोलंकी ने कलाकारों का स्वागत किया।

ऐतिहासिक फिल्मों को देख दर्शक हुए भावविभोर

विक्रमोत्सव के पौराणिक फिल्मों के अंतरराष्ट्रीय महोत्सव (आईएफएफएएस) में चौथे दिन 9 फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। भारतीय भाषाओं में 'श्रीकृष्ण लीला', 'मीरा', 'गोपाल कृष्णा (मराठी)', 'यशोधा कृष्णा (तेलगू)', 'श्रीकृष्ण प्रेम (बंगाली)', 'श्रीकृष्ण भक्ति (तमिल)' व 'श्रीकृष्ण गुरूव्यारप्पा (मलयालम)' के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित है। महोत्सव में विदेशी भाषाओं में 'द इनर ग्लो 2020' एवं सूरीनाम की डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखायी गयी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार,25 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

जेल में मुस्कान-साहिल ने मिलने की मांगी अनुमति

● पुलिस ने पति-पत्नी होने का सबूत मांगा तो नहीं दे सके

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में मर्चेंट नेवी के पूर्व अफसर और पति सौरभ की हत्या की आरोपी मुस्कान और उसका बॉयफ्रेंड साहिल 5 दिन से मेरठ की जेल में बंद हैं। मुस्कान ने जेल में बॉयफ्रेंड साहिल से मिलने के लिए अनुमति मांगी है। इस पर जेल पुलिस ने दोनों से मैरिज सर्टिफिकेट मांगा है। पुलिस ने कहा- अगर पति-पत्नी हैं तो जेल मैन्युअल के मुताबिक पुलिस की मौजूदगी में थोड़ी देर दोनों की मुलाकात कराई

जा सकती है। वहीं, मुस्कान के बाद अब साहिल ने भी केस लड़ने के लिए सरकारी वकील की मांग की है। पुलिस आज दोनों की रिमांड एप्लिकेशन कोर्ट में लगा सकती है। रिमांड भी मिल सकती है। रिमांड से पहले मुस्कान का प्रेग्नेंसी टेस्ट हो सकता है। पुलिस सीन रीक्रिएट करा सकती है। सौरभ हत्याकांड में रविवार को भी पुलिस की 3 टीमें दिनभर ब्रह्मपुरी में पूछताछ करती रहीं। पुलिस पड़ोसियों से लेकर कुछ दुकानदारों से भी पूछताछ करने पहुंची। मुस्कान ने खैरनगर में जिस मेडिकल स्टोर से नशे की दवा खरीदी थी, उस मेडिकल स्टोर पर भी टीम ने छापेमारी की।

छात्रों की खुदकुशी के मामले में एक्टिव हुआ सुप्रीम कोर्ट

● उच्च न्यायालय ने बना दी टास्क फोर्स, 4 महीने में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थानों, कोचिंग और हॉस्टल में बढ़ते स्टूडेंट्स की खुदकुशी के मामलों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गहरी चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कैंपस में छात्रों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अगुआई में एक टास्कफोर्स गठित कर दी है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि पिछले दो महीने में कॉलेज के हॉस्टल में यौन शोषण, रैगिंग, भेदभाव और अन्य वजहों से कई छात्र खुदकुशी कर चुके हैं। कोर्ट ने कहा कि 19 मार्च

को गुजरात की लॉ यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट ने खुदकुशी कर ली। बेंच ने कहा कि आईआईटी पटना में पिछले महीने इसी तरह की घटना हुई। स्टूडेंट ने पढ़ाई के प्रेशर में जान दे दी। ओडिशा के इंजीनियरिंग कॉलेज में एक नेपाली स्टूडेंट की जान चली गई। उसने साथी स्टूडेंट पर ही यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया था। केरल के इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग की वजह से स्टूडेंट ने सुसाइड कर ली। इस बेंच में शामिल जस्टिस आर महादेवन ने कहा, हमें सुसाइड के पैटर्न पर चर्चा करनी चाहिए। हमें इस बात की चिंता है कि बहुत सारे छात्र भेदभाव, रैगिंग और यौन शोषण के चलते जान दे देते हैं।

संभल में जितने मरे सबको पुलिस ने मारा

● जेल जाते वक्त चिल्लाकर बोले जफर अली

संभल (एजेंसी)। संभल हिंसा के 4 महीने बाद जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रविवार रात साढ़े 9 बजे मुरादाबाद जेल भेज दिया गया। जीप से उतरते ही जफर ने कहा- हिंसा के बाद मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसलिए मुझे जेल भेजा गया। जफर अली ने चिल्लाकर कहा- मुझे फंसाया गया, क्योंकि मैंने पुलिस वालों की पोल खोल दी थी। मैंने बता दिया था कि बच्चों को इन्होंने मारा है। हिंसा में जितने भी लोग मारे हैं, उन्हें पुलिस और प्रशासन ने मारा है। जफर अली संभल कोर्ट में वकालत करते हैं। ऐसे मे वकीलों ने विरोध में नारेबाजी की।

पंजाब के मंत्री की अमेरिका यात्रा पर केंद्र की रोक

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां को विदेश मंत्रालय ने अमेरिका यात्रा की मंजूरी देने से इनकार कर दिया। खुड्डियां को अधिकारियों के साथ 29 मार्च से 6 अप्रैल तक अमेरिका के विस्कॉन्सिन स्थित ग्लोबल की लैब का दौरा करना था। यहां उन्हें पंजाब के डेयरी किसानों के लिए होल्स्टीन फ्रीजियन नस्ल की गायों के लिए सेक्स्ड सीमन प्राप्त करने के लिए समझौता करना था। यात्रा का पूरा खर्च पंजाब पशुधन विकास बोर्ड की तरफ से होना था। उन्होंने मार्च के पहले हफ्ते में यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा था। हालांकि विदेश मंत्रालय ने यात्रा की मंजूरी देने से मना कर दिया। पंजाब सरकार के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया- पंजाब सरकार गायों के लिए सेक्स्ड सीमेन प्राप्त करने बातचीत कर रही थी।

देश का एजुकेशन सिस्टम खत्म कर रहा है आरएसएस

● कांग्रेस नेता राहुल गांधी बोले-किसी को रोजगार नहीं मिलेगा ● दिल्ली में इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुआई में सोमवार को जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों ने देशभर में बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। छात्र संगठन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, नियुक्तियों पर यूजीसी के प्रस्तावित दिशा-निर्देशों को वापस लेने और छात्र संघों को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार का है और सरकार इस मुद्दे पर चुप है। राहुल बोले हम छात्र हितों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आरएसएस देश के एजुकेशन सिस्टम को खत्म कर रहा है और आने वाले वक्त में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा। राहुल ने कहा,एक संगठन हिंदुस्तान के भविष्य को, एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने में लगा है। उसका नाम आरएसएस है। सच्चाई है कि हमारा शिक्षा का सिस्टम धीरे-धीरे उनके हाथों में जा रहा है। अगर सिस्टम उनके हाथों में चला जाएगा तो देश बर्बाद हो जाएगा। किसी को रोजगार नहीं मिलेगा। प्रदर्शन में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन, मुस्लिम स्टूडेंट्स फेडरेशन, समाजवादी छात्र सभा और छात्र राष्ट्रीय जनता दल शामिल हैं। राहुल ने

कहा,ये आपकी जिम्मेदारी है कि छात्रों को बताया जाए कि यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरएसएस के हैं। आने वाले समय में सभी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरएसएस के नॉमिनेशन से बनेंगे। ये देश के लिए खतरनाक है। हमें इसे रोकना होगा। राहुल बोले,कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने कुंभ पर भाषण दिया। इस पर बोलना अच्छा है, लेकिन आपको भविष्य पर भी बात करनी चाहिए। बेरोजगारी पर बात करनी चाहिए, जो देश के युवाओं को बेरोजगार किया जा रहा है, उस पर बात करनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा, प्रधानमंत्री महंगाई, बेरोजगारी के बारे में एक शब्द नहीं बोलते हैं। प्रधानमंत्री का मॉडल है अंबानी-अडाणी को देश का धन दिलाना,आरएसएस को देश के सारे संस्थान पकड़ा देना। हमें इसका विरोध करना है। राहुल ने कहा, ऐसा विरोध देश के कोने-कोने में कीजिए, हर गली मोहल्ले, हर यूनिवर्सिटी में कीजिए। जहां आप ले जाना चाहेंगे मैं आपके साथ चलूंगा। आप छात्र हो। यहां अलग-अलग पार्टियां हैं, विचारधारा में थोड़ा-थोड़ा फर्क हो सकता है, लेकिन हिंदुस्तान का एजुकेशन सिस्टम है, उससे हम कभी समझौता नहीं करेंगे। एक साथ बढ़ेंगे,आरएसएस और भाजपा को हराएंगे। इससे पहले डीएमके ने 6 फरवरी को जंतर मंतर पर यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इसमें प्रदर्शन में राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए थे।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर सस्पेंस जल्द होगा खत्म!

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मराठी नववर्ष गुड़ी पड़वा के मौके पर महाराष्ट्र के दौरे पर होंगे। प्रधानमंत्री के नागपुर यात्रा में आरएसएस के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को स्मृति मंदिर में श्रद्धासुमन भी अर्पित करने की संभावना है। प्रधानमंत्री के नागपुर दौरे के छह दिन बाद बीजेपी का स्थापना दिवस है। ऐसे में छह अप्रैल को पार्टी मुख्यालय में होने वाला कार्यक्रम भी काफी अहम हो गया है।

दिल्ली से मुंबई, नागपुर से अहमदाबाद तक जो चर्चाएं चल रही हैं। उसके अनुसार पीएम मोदी के नागपुर दौरे के बाद बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर छाया सस्पेंस खत्म हो जाएगा, लेकिन पीएम मोदी के कार्यक्रम में इसकी चर्चा होगी। इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसी उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि बीजेपी के स्थापना दिवस से पहले संघ और बीजेपी के बीच समन्वय देखने वाले पदाधिकारी जरूरी विचार-विमर्श को पूरा कर लेंगे। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अब तक दर्जनभर से अधिक नेताओं के नाम सामने आ चुके हैं। इनमें भूपेंद्र यादव, धर्मेन्द्र प्रधान से लेकर दक्षिण भारत के कई नेताओं का नाम चर्चा में हैं। पहले शिवराज सिंह चौहान भी प्रबल दावेदार माने गए थे। यह भी कहा जा रहा है बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान होने के बाद केंद्र के साथ कुछ राज्यों की बीजेपी सरकारों में बदलाव संभव है। राज्यों में प्रदर्शन के आधार पर मंत्रियों को बदला सकता है। इसमें गुजरात भी शामिल है। बीजेपी किसे जेपी नड्डा की कुर्सी सौंपेंगी। इस दौड़ में कई नाम हैं लेकिन अब आश्चर्यजनक तौर हरियाणा के पूर्व सीएम भी रेस में आ गए हैं।

● पीएम मोदी का नागपुर दौरा तय करेगा बीजेपी का नया अध्यक्ष!

● दिल्ली से मुंबई, नागपुर से अहमदाबाद तक यही चल रही चर्चा

पिछले कुछ दिनों से हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का नाम चर्चा में है। मनोहर लाल ने 2014 में विधायक बनकर सीधे सीएम का पद हासिल किया था। पीएम मोदी के बाद वह बीजेपी में दूसरे नेता थे। जिन्हें सीधे सीएम की कुर्सी मिली थी। मौजूदा मुख्यमंत्रियों में राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा पहली बार के विधायक होने के बाद सीएम हैं। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो रहा है कि हरियाणा में तमाम विरोध के बाद भी सीएम रहे मनोहर लाल क्या फिर चौंका देंगे। मनोहर लाल राजनीति में आने से पहले पूरी तरह से संघ को समर्पित थे। उनके अध्यक्ष पद की वजह है कि वह पीएम मोदी के विश्वसनीय बने हुए हैं।

देश के सासंदों की बढ़ गई सैलरी और पेंशन

● सांसदों का वेतन 1 लाख से बढ़कर 1.24 लाख रुपये प्रति माह हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के वेतन को बढ़ा दिया है। सांसदों की सैलरी के अलावा भत्ते और पूर्व संसद सदस्यों की पेंशन में भी बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल 2023 से लागू होगी। संसदीय कार्य मंत्रालय ने सोमवार को एक गजट नोटिफिकेशन जारी किया। नोटिफिकेशन के अनुसार, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों का वेतन 1 लाख रुपये से बढ़कर 1.24 लाख रुपये प्रति माह हो गया है। वहीं, दैनिक भत्ता 2,000 रुपये से बढ़कर 2,500 रुपये हो गया है। इसके अलावा पूर्व सांसदों की पेंशन भी 25,000 रुपये से बढ़कर 31,000 रुपये प्रति माह हो गई है। इसके अलावा, पांच साल से अधिक की सेवा के लिए अतिरिक्त पेंशन 2,000 रुपये से बढ़कर 2,500 रुपये हो गई।

साबित हुआ कदाचार तो जज वर्मा की बढ़ जाएगी मुश्किल

● भुगतने होंगे कई गंभीर नतीजे, दूसरे चरण में पहुंची जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जस्टिस वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद नोटों की 4 से 5 अधजली बोरियां मिलने की जांच प्रक्रिया दूसरे महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। बता दें कि देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने केस की जांच के लिए 3 सदस्यीय पैनल का गठन किया है। अब जांच की आंतरिक प्रक्रिया दूसरे महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। इसके निष्कर्षों से जस्टिस वर्मा के भाग्य का फैसला होगा।

मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 14 मार्च को लुटियंस दिल्ली के पॉश इलाके में जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास के स्टोररूम में आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर दमकल और पुलिस कर्मियों ने कैश बरामद किया था।

कॉमेडियन कुणाल कामरा के वीडियो पर बवाल, एफआईआर

● जहां शो शूट हुआ,वहां पर शिवसैनिकों ने की जमकर तोड़फोड़

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर सोमवार सुबह मुंबई के खार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। दरअसल, रविवार को कामरा का एक वीडियो सामने आया था, जिस पर विवाद हो गया। उन पर अशांति फैलाने और मानहानि की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के कर्मचारी यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में हथौड़ा लेकर पहुंचे। दूसरी तरफ द यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में तोड़फोड़ करने के आरोप में शिवसेना नेता राहुल कनाल सहित 11 शिवसैनिकों को गिरफ्तार किया गया। इस केस में 40 शिवसैनिकों पर एफआईआर हुई थी।

वक्फ विधेयक के खिलाफ फिर हल्ला बोल की तैयारी

● मुसलमान संगठनों ने कसी कमर, देश भर में होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। संगठन के कार्यालय सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी ने रविवार को बयान जारी किया। इसमें कहा गया, 17 मार्च को दिल्ली में बड़ा और सफल विरोध प्रदर्शन हुआ। इसके बाद, एआईएमपीएलबी ने वक्फ बिल के खिलाफ देश भर में आंदोलन की घोषणा की है। साथ ही, बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, सिविल सोसाइटी समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को धन्यवाद दिया गया है। संगठन के प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने कहा,अल्लाह की कृपा और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना दिल्ली

प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं थी। उन्होंने विपक्षी दलों और संसद सदस्यों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने न केवल बड़ी संख्या में भाग लिया बल्कि प्रस्तावित कानून को दृढ़ता से खारिज भी किया। बयान में कहा गया कि संगठन की 31-सदस्यीय एक्शन कमेटी ने वक्फ विधेयक को विवादास्पद, भेदभावपूर्ण और हानिकारक करार दिया। इसका विरोध करने के लिए सभी संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके अपनाने का संकल्प भी लिया गया। बयान के मुताबिक, आंदोलन के पहले चरण के तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े विरोध प्रदर्शन की तैयारी है। संगठन के सीनियर मेंबर्स के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इनमें भाग लेंगे। सिविल सोसाइटी के नेता, दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों के लोग, दलित, ओबीसी वर्ग के प्रतिनिधि भी अपनी भागीदारी दिखाएंगे।

मुस्लिम आरक्षण के लिए 'बदलेंगे संविधान' पर संग्राम

● कर्नाटक के डिप्टी सीएम के बयान पर संसद में खूब हंगामा ● खड़गे ने दी सफाई, बोले-कोई संविधान नहीं बदल सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की कर्नाटक सरकार ने ठेकों में मुस्लिमों को 4 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है। इसके खिलाफ भाजपा विरोध जता रही थी, जो डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बयान के बाद और तेज हो गया है। डीके शिवकुमार ने कहा था कि यह फैसला मुस्लिमों को आरक्षण देने की ओर एक कदम है। हम भविष्य में मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान में संशोधन भी कर सकते हैं। उनके इस बयान पर बवाल शुरू हो गया है और सोमवार को राज्यसभा भी खूब हंगामा हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के एक नेता का कहना है कि जरूरत हुई तो हम संविधान में संशोधन कर देंगे। रिजिजू ने कहा कि यह बात ऐसे लीडर ने कही है, जो संवैधानिक पद पर हैं। इस पर जवाब देते हुए राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस तो वह दल है, जिसने संविधान की रक्षा की है। लेकिन

रिजिजू ने कहा कि आपके डिप्टी सीएम का कहना है कि संविधान बदल देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुलकर कह रही है कि मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदला जाएगा। रिजिजू ने कहा कि आज वे लोग कहां हैं, जो संविधान बचाने की बात करते थे और अब आंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। इस मामले का असर लोकसभा में भी दिखा है और जमकर हंगामा हुआ। किरेन रिजिजू ने इस मामले को लेकर मीडिया से भी बात की। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार के बयान के चलते दोनों सदन स्थगित हुए हैं। यह गंभीर मामला है। किरेन रिजिजू ने कहा, 'एनडीए ने डीके शिवकुमार के बयान को गंभीरता से लिया है। उनका कहना है कि मुस्लिमों को कॉन्ट्रैक्ट्स में रिजर्वेशन देकर हमने उन्हें आरक्षण देने की दिशा में पहला कदम उठाया है। उनका कहना है कि मुस्लिमों को आरक्षण और अन्य सुविधाएं देने के लिए संविधान में भी संशोधन किया जाएगा। उनका बयान साफ है। वे संविधान में बदलाव करके मुस्लिमों को आरक्षण देना चाहते हैं।' रिजिजू ने कहा कि यह याद रखें कि मुस्लिम आरक्षण का मसला 1947 में भी मुस्लिम लीग ने उठाया था, लेकिन उसे यह कहते हुए खारिज किया गया था कि आरक्षण का आधार सामाजिक और आर्थिक ही हो सकता है। इसके लिए धार्मिक आधार नहीं हो सकता।

हमारा संविधान सेक्युलर है और आरक्षण सिर्फ आर्थिक और सामाजिक आधार पर ही दिया जा सकता है। संविधान बदलने की बात करना देश की व्यवस्था के साथ एक फ्रॉड है। मोदी सरकार के मंत्री ने कहा कि इस मामले में हम कांग्रेस नेतृत्व, पार्टी अध्यक्ष और नेता सदन का बयान चाहते हैं।

चर्च से लौट रही नर्सिंग छात्राओं का एक्सीडेंट, एक की मौत

भोपाल (नप्र)। भोपाल में सड़क हादसे में नर्सिंग की एक छात्रा की जान चली गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना उस समय हुई जब तीनों छात्राएं चर्च से प्रेयर करके लौट रही थीं। तेज रफ्तार स्कूटी अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

घटना रविवार रात की बताई जा रही है। तीनों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां इलाज के दौरान सोमवार तड़के एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य का इलाज जारी है। गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एएसआई प्रवीण सिंह ने बताया कि शानी मैथ्यू (23) चिरायु मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग चौथे वर्ष की छात्रा थी और वहीं से इंटर्नशिप कर रही थी। रविवार शाम को वह अपनी सहेलियों, सेंदल सोना और सोरिल के साथ जेल रोड स्थित चर्च गई थी। वहां से लौटते समय उनकी स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि स्कूटी डिसबैलेंस कैसे हुई। हादसे के असली कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक करेगी।

एक साथ हॉस्टल में रहती थीं तीनों- तीनों छात्राएं मूल रूप से केरल की रहने वाली हैं। एक साथ ही चिरायु मैडिकल कॉलेज के में पढ़ती और वहीं हॉस्टल में रहती थीं। परिचितों की मौजूदगी में सोमवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

भोपाल में अधूरे हाउसिंग प्रोजेक्ट्स, विस में उठा मुद्दा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में हाउसिंग के प्रोजेक्ट अधूरे हैं। गंगानगर, 12 नंबर और बाग मुगालिया में अब तक मकान हैंडओवर नहीं हो सके हैं, जबकि मार्च से ही फ्लैट्स हैंडओवर किए जाने थे। अब सरकार ने दिसंबर 2025 तक लोगों को मकान देने की बात कही है। बीजेपी विधायक भगवानदास सबनानी ने अधूरे प्रोजेक्ट्स का मुद्दा विधानसभा में भी उठाया है।

हालांकि, दिसंबर तक सभी लोगों को मकान मिल जाए, इसकी संभावना कम ही है। क्योंकि, अभी तक कई बिल्डिंग के स्ट्रक्चर ही खड़े नहीं हुए हैं। ऐसे में 6-7 साल से अपने घर का सपना देख रहे लोग विरोध प्रदर्शन करने के मूड में है।

मकान नहीं मिलने से परेशानी- इस देरी का सबसे ज्यादा असर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और मध्यम आय वर्ग परिवारों पर पड़ रहा है। लोग समय पर अपने घर पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि वे किराए, लोन और अन्य खर्चों में अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।

भोपाल स्टेशन पर प्रदेश का पहला पॉड होटल तैयार

भोपाल (नप्र)। भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के आरामदायक ठहराव के लिए प्रदेश का पहला पॉड होटल पूरी तरह तैयार हो चुका है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इसका उद्घाटन 3 या 4 अप्रैल को होने की संभावना है। इस अवसर पर रेलवे के जीएम शोभना बंदोपाध्याय, डीआरएम देवाशीष

त्रिपाठी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर यह पॉड होटल बनाया गया है, जिसमें दो तरह के पॉड उपलब्ध हैं, इसमें सिंगल और फैमिली पॉड शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किराया तय नहीं हुआ है, अगले दो दिन में इसका किराया तय हो जाएगा।

क्या है पॉड होटल

पॉड होटल, जिसे कैप्सूल होटल भी कहा जाता है, जापान में विकसित किया गया था। इसमें छोटी-छोटी कैप्सूल नुमा इकाइयों में यात्रियों के ठहरने की सुविधा दी जाती है। यह उन यात्रियों के लिए आदर्श होता है जो किफायती दर पर ठहरने की सुविधा चाहते हैं। पॉड होटल में कम जगह में उच्च श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से लोकायुक्त मध्यप्रदेश जस्टिस सतेन्द्र कुमार सिंह ने राजभवन में सौजन्य भेंट कर मध्यप्रदेश लोकायुक्त और उप लोकायुक्त का 42वां वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश जनजातीय मंत्रणा परिषद की बैठक हुई।

बजट सत्र के अंतिम दिन सीएम यादव बोले

सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्टेडियम बनेंगे, किसानों को बना रहे भागीदार, जमीनों की कीमत बढ़ेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का सोमवार का अंतिम दिन रहा। इस दौरान नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक और मप्र सहकारी समिति संशोधन विधेयक पारित किया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमने जिलास्तर पर विकास समिति बनाने का निर्णय लिया है। सभी विधानसभा में मल्टी परपज खेल स्टेडियम भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही आज पूरे समय चली। यह एक अच्छी परंपरा है। जब हम जमीन लेकर मुआवजा देते थे तो बहुत सारी कठिनाई आती थी। अब हम मुआवजा नहीं दे रहे हैं, बल्कि किसानों को भागीदार बना रहे हैं।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक को लेकर कहा कि इस विधेयक में मुआवजा और मास्टर प्लान का कोई उल्लेख नहीं है। हम किसान को मजबूत बनाने के लिए यह विधेयक ला रहे हैं। इससे किसानों की जमीन की कीमतें बढ़ेगी।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि इसमें मुआवजे की स्पष्ट नीति होना चाहिए। किसानों की जमीन लेने पर उनका शोषण न हो सके। सरकार विकास करें, लेकिन विकास के साथ किसी का शोषण न हो।

मध्यप्रदेश सहकारी समिति संशोधन विधेयक पारित- सदन में मंत्री विश्वास सारंग ने मध्यप्रदेश सहकारी समिति संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस पर कांग्रेस विधायक सचिन यादव ने कहा- यह विधेयक पारित किया गया तो सहकारिता आंदोलन की अंत्येष्टि होगी। बीते 20 साल में सहकारी आंदोलन को बढ़ाने की बजाय कुचलने का काम किया गया है। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा- सरकार पहले ही सहकारी आंदोलन को अफसरों के हवाले कर चुकी है। इस विधेयक के पारित होने के बाद सहकारिता का अंत हो जाएगा। सरकार चुनाव नहीं करा रही है इसलिए सहकारिता खत्म हो गई है। इस पर सारंग ने कहा- प्रदेश में 650 से 700 नई पैक्स बनाने की तैयारी है। उसके बाद सभी समितियों के चुनाव कराए जाएंगे। सरकार किसी तरह से चुनाव टालने की मंशा नहीं रखती है। इसके बाद कांग्रेस ने सदन से वॉक आउट कर दिया। हालांकि, वॉक आउट के बीच ही मध्यप्रदेश सहकारी समिति संशोधन विधेयक 2025 पारित कर दिया गया।

सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने शुरू किया आमरण अनशन- रतलाम की सैलाना विधानसभा सीट से भारत आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विधानसभा परिसर में आमरण अनशन शुरू किया है। वे रतलाम जिला अस्पताल के डॉ. सीपीएस राठौर के निलंबन की मांग कर रहे हैं। दरअसल, 5 दिसंबर 2024 की रात रतलाम जिला अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर डॉ. सीपीएस राठौर और सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार के बीच जमकर कहा-सुनी हो गई थी। दोनों ने एक-दूसरे पर गाली देने के आरोप लगाए थे। घटना का 2 मिनट 53 सेकंड का वीडियो भी सामने आया था।

सीएम बोले- जिला स्तर पर बनेगी विकास समिति- सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमने जिला स्तर पर विकास समिति बनाने का निर्णय लिया है। ये जिलों के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि विकास के लिए विजन डाक्यूमेंट तैयार करने का काम भी कर रहे हैं।

सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्टेडियम बनेंगे- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक उन्नत योजना के लिए 850 करोड रुपए, डेयरी विकास योजना के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि रखी गई है। सभी विधानसभा में एक मल्टी परपज खेल स्टेडियम बनेंगे निजी निवेश से भी विकास का प्लान लागू किया है। मजरे टोले में सड़क निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपए तय किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के लिए बजट में 442 करोड़ रुपए शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना शुरू की गई है।

विधानसभा में सीएम यादव ने कहा

- प्रदेश के कुल बजट की 17 प्रतिशत राशि अधोसंरचना विकास के लिए रखी गई है।
- प्रदेश में गीता भवन बनाए जाएंगे जो टाउन हॉल के खत्म होती परंपरा को जीवित रखेंगे।
- मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना को भी इस बजट में मंजूरी मिली है। इसके लिए 100 करोड़ की राशि मंजूर की गई है।
- अविरल निर्मल नर्मदा नदी योजना को भी बजट में मंजूरी मिली है।
- श्री कृष्ण पाथेय योजना को भी स्वीकृति मिली है। इसके लिए भी 100 करोड़ की राशि तय की गई है।

नगर व ग्राम निवेश संशोधन विधेयक पारित

विधानसभा में नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक पारित कर दिया गया। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस विधेयक में मुआवजा और मास्टर प्लान का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि जीआईएस के बाद इंडस्ट्री एरिया डेवलप करने के लिए जमीन की जरूरत है।

आलोट के विधायक चिंतामणि मालवीय को भाजपा ने दिया शोकाज नोटिस, 7 दिन में जबाव दें- मध्य प्रदेश के आलोट से भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को पार्टी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की ओर से जारी किया गया है। विधायक मालवीय पर पार्टी को नुकसान पहुंचाने और अनुशासनहीनता के आरोप लगे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की ओर से जारी नोटिस में लिखा गया है कि चिंतामणि मालवीय के ताजा बयानों और कृत्यों की वजह से पार्टी की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है।चिंतामणि मालवीय को सात दिन में जवाब देने के लिए कहा गया है।

टीबी मुक्त भारत के लिए मध्यप्रदेश प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री

5 हजार से अधिक ग्राम पंचायतें क्षयरोग मुक्त घोषित

भोपाल(नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निक्षय भारत अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्यकर्मियों, निक्षय मित्रों, सामाजिक कार्यकर्ताओं की सराहना की है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश 2025 तक टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य केवल शासकीय प्रयासों से ही संभव नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी से ही इसे साकार किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि इस अभियान में सहयोग दें और टीबी मुक्त मध्यप्रदेश बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्व टीबी दिवस पर स्वास्थ्यकर्मियों, निक्षय मित्रों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि सबकी मेहनत और सेवा भाव से ही मध्यप्रदेश क्षयरोग उन्मूलन की दिशा में इतनी तेज गति से आगे बढ़ा है। निक्षय मित्रों ने अपने स्तर पर आर्थिक और पोषण सहायता प्रदान कर मरीजों को नया जीवन दिया है, जो एक अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी से हम टीबी मुक्त भारत का सपना साकार करेंगे।

मध्यप्रदेश में 100 दिवसीय विशेष निक्षय शिविर अभियान के तहत 7 दिसंबर 2024 से 23 जिलों में गहन टीबी खोज और उपचार अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य उच्च टीबी बोझ वाले जिलों में टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान, मृत्यु दर में कमी और नए मामलों को रोकना है। इस अभियान के तहत 78 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 21 हजार 430 नए टीबी मरीज चिन्हित (नोटिफाई) किए गए और उनका तुरंत उपचार शुरू कराया गया। डीबीटी के माध्यम से आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। इस दौरान 19 हजार से अधिक निक्षय मित्रों ने 25 हजार से अधिक टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान की और 4 लाख से अधिक नागरिकों ने टीबी मुक्त भारत के संकल्प की शपथ ली। प्रदेश में सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत 5 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों को क्षयरोग मुक्त घोषित किया जा चुका है।

मध्यप्रदेश ने क्षयरोग (टीबी) उन्मूलन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त किया है। वर्ष 2020 में संभावित क्षयरोगी दर 532 प्रति लाख थी, जो 2024 में बढ़कर 3031 प्रति लाख हो गई, जो रोगियों की शीघ्र पहचान और बेहतर निगरानी का प्रमाण है। वर्ष 2024 में 1 लाख 90 हजार क्षय रोगियों को खोजने के लक्ष्य के विरुद्ध 1 लाख 81 हजार 85 (95 प्रतिशत) रोगियों की पहचान की गई।

ज्वेलरी शॉप में लूट की कोशिश, बदमाश ने गोली चलाई

नकाब पहनकर दुकान में घुसा, मालिक और कर्मचारी ने मौका पाकर दबोचा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रोहित नगर में अक्षांश ज्वेलर्स शॉप में सोमवार दोपहर लूट का प्रयास हुआ। एक नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचा और सोने की चेन दिखाने को कहा। दुकान मालिक ने नकाब हटाने की बात कही तो आरोपी ने पिस्टल निकाल ली। डराने के इरादे से दो फायर किया। शॉप संचालक के साथ मारपीट की।

हालांकि उन्होंने बहादुरी से आरोपी का सामना किया और उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। टीआई लोकेंद्र सिंह ठाकुर के मुताबिक फरियादी को मेडिकल के लिए भेजा है। अन्य व्यापारी भी थाने आए हैं। शिकायत दर्ज की जा रही है। दुकान के अंदर आरोपी के घुसने से लेकर उसके पकड़े जाने तक का घटना क्रम करीब 15 मिनट तक चला। दुकान मालिक और कर्मचारी ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

आरोपी बोला- सोने की ज्वेलरी मुझे सौंप दो- जानकारी के अनुसार फरियादी मनोज जैन अक्षांश ज्वेलर्स नाम से रोहित नगर में शॉप का संचालन करते हैं। विष्णु हाईटेक सिटी बावड़िया में रहते हैं। दोपहर 12 बजे उन्होंने शॉप खोली थी। उनके साथ एक अन्य कर्मचारी दुकान में मौजूद था।

दोपहर एक बजे के आसपास एक युवक चेहरे पर कपड़ा लपेटे हुए दुकान में आया। उसने सोने की चेन दिखाने को कहा। मनोज ने कपड़ा हटाने की बात कही, इसके बाद आरोपी ने पास रखी पिस्टल निकाल ली। ज्वेलरी सौंपने की बात की, फरियादी के विरोध करने पर आरोपी ने हवा में फायर किया। इसके बाद नाक पर पिस्टल की बट मार दी।

दुकान मालिक ने बताई घटना की कहानी- दुकान संचालक मनोज जैन ने बताया कि आरोपी ने दुकान में आने के बाद सही मौके का इंतजार किया। मैं लॉकर रूम की ओर गया, तब उसने कर्मचारी पर पिस्टल तानी और साइड में बैठा दिया। मैं बाहर निकला तो बोला कि विरोध किया तो जान से जाओगे।

उसने दुकान का पूरा सोना उसके हवाले करने की बात कही। मैंने उसे बातों में लगाए रखा। इसी बीच आरोपी ने दुकान के काउंटर में स्थित गल्ले को खोला, इसमें कुछ रिपेयरिंग के जेवरात और नकदी रखी थी, आरोपी ने यह कैश और ज्वेलरी निकालकर जेब में रख ली थी। यह देख मैं काउंटर से बाहर की तरफ आने लगा।

इसी बीच उसने एकाएक दो फायर किए। दोनों बार गोली चलने की आवाज आई लेकिन गोली शायद निकली ही नहीं। इसी बात का फायदा उठाते हुए मैंने आरोपी को पकड़ना चाहा। उसे धकेलकर नीचे गिराया, मेरा कर्मचारी भी मदद को आया। हम दोनों ने मिलकर उसे पकड़ लिया। शोर मचाने पर पड़ोसी भी आए।

दुकान मालिक ने बताया कि थाने पर कॉल करते रहे, डायल 100 पर कॉल करते रहे कोई नहीं आया। हर कॉल पर केवल जानकारी ही नोट की जाती रही। इसी बीच एक पड़ोसी थाने पहुंचा और दो पुलिस वालों को साथ लेकर आया। तब आरोपी को पुलिस के हवाले किया।

कर्मचारी और मालिक ने आरोपी को पकड़ा- नए भोपाल की सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद सोनी ने बताया कि आरोपी लूट में कामयाब होता इससे पहले ही घायल मनोज और उनके कर्मचारी ने आरोपी युवक को दबोच लिया। यह देख आसपास के लोग भी आए। इसके बाद आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया।आनंद सोनी ने कहा कि बदमाश ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस को कारोबारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

लोगों ने पकड़े गए आरोपी को जमकर पीटा- आरोपी के पकड़े जाने के बाद अन्य कारोबारियों ने उसकी जमकर पिटाई की। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमे लहूलुहान आरोपी की पिटाई की जा रही है। पुलिस उसे थाने ले जाती नजर आ रही है। आरोपी के पास मौजूद पिस्टल को भी मौके से ही जब्त कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसके साथ वारदात में और कौन लोग शामिल थे। उसने वारदात से पहले रैकी कब और कैसे की। भागने के समय उसकी मदद और कौन लोग करने वाले थे। पुलिस का अनुमान है कि आरोपी के साथी बाहर निगरानी कर रहे होंगे। जिससे भागने में आसानी रहे, पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है।

बीजेपी विधायक मालवीय बोले- माफी मांगना मेरा स्वभाव नहीं

पार्टी के नोटिस पर कहा-विधायक के नाते बात रखी, तथ्यों के साथ जवाब दूंगा

भोपाल (नप्र)। चिंतामणि मालवीय ने विधानसभा में कहा था- सिंहस्थ के नाम पर पहले जमीन केवल 3-6 महीनों के लिए अधिग्रहित की जाती थी, लेकिन आज उन्हें स्थायी अधिग्रहण का नोटिस दिया गया है।

उज्जैन में साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए जमीनों के अधिग्रहण के मामले पर आलोट से बीजेपी विधायक चिंतामणि मालवीय ने 18 मार्च को विधानसभा में मामला उठाया था। इस मामले को लेकर बीजेपी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों में जवाब मांगा है। इस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार को दलित और किसान विरोधी बताया है। वहीं, विधानसभा पहुंचे चिंतामणि मालवीय ने कहा कि उन्हें नोटिस नहीं मिला है। नोटिस मिलने के बाद वे तथ्यों के साथ पार्टी को जवाब देंगे। इसके जवाब में मालवीय ने कहा- ये मेरा स्वभाव नहीं।

मालवीय बोले- मैंने जो कहा वो सदन के अंदर का विषय- आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय ने नोटिस मिलने पर कहा- मैं भारतीय जनता पार्टी का प्रतिबद्ध

कार्यकर्ता हूं। मैंने जो कहा वो सदन के अंदर का विषय है। विधायक का विशेषाधिकार है कि जनसमस्याओं को सदन को अवगत कराने का ये विषय है। पार्टी का नोटिस मुझे नहीं मिला है।जीतू पटवारी के समर्थन देने की बात पर मालवीय ने कहा- इसका जवाब कांग्रेस देगी। ये मेरा विषय नहीं हैं। विधानसभा में बात रखने पर नोटिस देने के सवाल पर मालवीय ने कहा- ये संगठन समझे, क्योंकि मुझे नोटिस मिला नहीं हैं। जब मिलेगा तो उसके बिंदुओं पर उचित जवाब दूंगा। तथ्यों से अवगत कराऊंगा।

मंदसौर गोलीकांड पर सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

विधानसभा में जांच आयोग की रिपोर्ट पेश नहीं करने पर पारस सकलेचा ने दायर की है याचिका

भोपाल (नप्र)। सात साल पुराने मंदसौर गोलीकांड को लेकर पूर्व विधायक पारस सकलेचा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सरकार को नोटिस जारी किया है। सकलेचा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा और सर्वम रितम खरे ने पक्ष रखा। सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

ये है मामला

6 जून 2017 को मंदसौर के पिपलिया मंडी में पार्श्व नाथ चौपाटी पर आंदोलन कर रहे 5 किसानों की पुलिस के गोली चलाने से मौत हो गई थी। गोलीकांड की सीबीआई जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज करने की मांग को लेकर पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने साल 2017 में हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में पिटीशन लगाई थी।

न्यायाधीश पीके जायसवाल और जस्टिस वीरेंद्र सिंह ने मप्र सरकार द्वारा जैन आयोग का गठन किए जाने पर पिटीशन को खारिज कर दिया था। सरकार ने गोलीकांड की जांच के लिए 12 जून 2017 को जैन आयोग का गठन किया। जैन आयोग ने अपनी रिपोर्ट 13 जून 2018 को राज्य शासन को पेश की थी।

6 साल बाद भी विधानसभा में पेश नहीं की गई रिपोर्ट

सकलेचा ने बताया कि जैन आयोग की रिपोर्ट को 4 साल बाद भी विधानसभा के पटल पर नहीं रखा गया। पारस सकलेचा ने बताया कि इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में पिटीशन 3 मई 2022 को पेश कर उच्च न्यायालय से सरकार को जैन आयोग की रिपोर्ट पर कार्रवाई कर विधानसभा के पटल पर रखने का अनुरोध किया। पारस सकलेचा ने न्यायालय से कहा कि जांच आयोग अधिनियम 1952 की धारा 3(4) के तहत जांच आयोग की रिपोर्ट मिलने के 6 महीनों के अंदर उस पर कार्रवाई कर विधानसभा के पटल पर रखना शासन का दायित्व है।

हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए हैं सकलेचा

पारस सकलेचा की पिटीशन को उच्च न्यायालय इंदौर के न्यायाधीश विवेक रूसिया और बिनोद कुमार द्विवेदी ने 14 अक्टूबर 2024 को खारिज करते हुए कहा कि घटना को 6-7 साल हो जाने पर उसकी रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखने का कोई आधार नजर नहीं आ रहा है। उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ पारस सकलेचा ने 8 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। जहां सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा और सर्वम रितम खरे के तर्क सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने राज्य शासन को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

संपादकीय

जजों की ईमानदारी पर सवाल!

दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर अधजली अवस्था में मिले 15 करोड़ रू. नकद से पूरा देश हैरान है। इस घटना से मुल्क की समूची न्याय व्यवस्था और न्यायाधीशों की कर्तव्यनिष्ठा ही संदेह के घेरे में आ गई है। इस पूरे मामले में शुरू में सुप्रीम कोर्ट के ढुलमुल रूख फिर आरोपी जज यशवंत वर्मा का ताबड़तोड़ दिल्ली से इलाहाबाद हाई कोर्ट तबादला और इस हाई प्रोफाइल प्रकरण में सरकार की लीपापोती ने भी मामले को संदिग्ध बना दिया हैं। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने आरंभिक जांच के बाद मामले को पूरी गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ जजों की जांच कमेटी बना दी है साथ ही पूरे मामले का वीडियो भी सार्वजनिक कर दिया है, जिसमें जले हुए नोट और बोरियां साफ दिख रही हैं। आरंभ में दबाने की कोशिशों के बाद भी यह मामला राज्यसभा में उठ गया और उधर इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस वर्मा के तबादले का विरोध यह कहकर शुरू कर दिया कि उन्हें कूड़ेदान नहीं चाहिए, तब मीडिया का ध्यान भी इस ओर गया। दूसरी तरफ मामले के आरोपी जस्टिस यशंवत वर्मा ने कहा है कि यह उनका पैसा नहीं है। जो पैसा मिला है, वह भी स्टोर में मिला है। इसको लेकर जो बातें और पूर्वाग्रह पाले जा रहे हैं, उससे न्यायाधीश के रूप में मेरी निष्ठा पर ही प्रश्नचिन्ह लग गया है। घटना के दिन वो दिल्ली में नहीं थे। दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि जस्टिस वर्मा के घर से अधजले नोटों की चार पांच बोरियां मिली हैं। अब सवाल यह कि अगर पाया गया कैश जस्टिस वर्मा का नहीं है तो फिर किसका है? ऐसा कौन सा व्यक्ति है, जो अत्यधिक सुरक्षा में रहने वाले एक हाई कोर्ट जज के यहां घुसकर 15 करोड़ रू. न केवल रख दे बल्कि बाद में उसमें आग भी लगा दे और जस्टिस तथा उनके स्टाफ को हवा तक न लगे। अगर एक जज के यहां कोई अन्य व्यक्ति नकद रख गया है तो यह और भी गंभीर बात है। हालांकि संदेह इस बात का ज्यादा है कि यह मोटी रकम किसी लेन देन के संदर्भ में रखी या रखवाई गई थी। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस जांच पूरी होने तक जज वर्मा के न्यायिक काम काज पर रोक लगा दी है। साथ उनके मोबाइल से 6 माह तक डाटा डिलीट करने पर भी रोक लगा दी है। जज के मोबाइल डिटेल से इस रकम पर से रहस्य का पर्दा उठ सकता है। आगे जांच में जो भी सामने आए, लेकिन इस पूरे प्रकरण ने ऊंची अदालतों में जजों की नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता व निष्पक्षता तथा न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के सवालों को फिर से रेखांकित कर दिया है। उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति कैसे हो, इसको लेकर बहस पहले भी चलती रही है। लेकिन न्यायाधीशों की नियुक्ति करने वाले कॉलेजियम ने इस प्रक्रिया में किसी भी बदलाव के सरकार के प्रयत्नों को खारिज ही किया है। भारत में सभी जज भ्रष्ट हैं, यह कहना गलत होगा, लेकिन वहां भी काली भेड़ें हैं, यह मानने में हिचक नहीं होना चाहिए। यह कैसे मान लिया जाए कि जस्टिस वर्मा के यहां मिला कैश किसी गुप्त डील का हिस्सा नहीं है? अगर उन्हें फंसाया गया है तो ऐसा दुस्साहसी और ताकतवर कौन है, जो जजों को भी फंसाने की कूवत रखता है। इस पूरे मामले को सुप्रीम कोर्ट कैसे डील करती है, इस पर सभी की नजर रहेगी। अब सवाल न्यायपालिका की ईमानदारी और संविधान निष्ठा को पुनर्प्रतिष्ठित करने का है। वरना जनता का न्यायपालिका से विश्वास ही उठ जाएगा।

नजरिया

विजय बहादुर सिंह

लेखक वरिष्ठ कवि एवं आलोचक हैं।

सनातन का सत्य अगर कुछ है तो वह है 'परहित'

कुरुक्षेत्र के महासंग्राम के बाद उन्होंने अर्जुन और भीम आदि भाइयों के समक्ष जिस वैराग्य-भाव का प्रदर्शन किया, वह इसका प्रमाण है। अर्जुन आदि भाइयों द्वारा कठिन आलोचना सुनने के बाद उनका कहना फिर भी जारी रहता है- 'मैं वेद शास्त्रों को जानता हूँ। तुम अस्त्रधारी उन्हें क्या जानो ? शास्त्र के सूक्ष्म अर्थ को जो जानता है, वह मुझसे इस प्रकार न कहेगा। फिर भी भाई के हित में तुमने जो कहा, मैं उससे प्रसन्न हूँ। हे अर्जुन, तुम मेरी बुद्धि पर शंका न करो। पर समूचा महाभारत, माँ कुंती से लेकर पत्नी द्रौपदी तक उनको लेकर सशंकित रहते हैं। दूसरे धर्मज्ञ हैं पितामह भीष्म जो शरों की शय्या पर लेटे हुए हैं। महामुनि व्यास युधिष्ठिर से कहते हैं-बेहतर होगा, भीष्म के पास जाकर वे राजशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करें। भीष्म ने इन्द्रादि देवताओं का साक्षात दर्शन किया है। महाबुद्ध भीष्म ने वसिष्ठ से वेद ज्ञान प्राप्त किया है। यद्यपि वे मनुष्य-योनि में उत्पन्न हुए हैं किन्तु मृत्यु उनकी इच्छा की वशी है।

महाभारत में तीन धर्मज्ञ हैं-पितामह भीष्म, धर्मराज युधिष्ठिर और वासुदेव कृष्ण। युधिष्ठिर तो जैसे हैं धर्मज्ञ हैं उस बारे में कुछ कहने की जरूरत नहीं। महाभारत के अनुसार उनकी प्रकृति बड़ी विचित्र थी। वह अवसर चूक जाते थे और फिर पछताते रहते थे। कर्म कर चुकने पर उन्हें यह बोध होने लगता था कि यह क्यों किया, करना नहीं था। कुरुक्षेत्र के महासंग्राम के बाद उन्होंने अर्जुन और भीम आदि भाइयों के समक्ष जिस वैराग्य-भाव का प्रदर्शन किया, वह इसका प्रमाण है। अर्जुन आदि भाइयों द्वारा कठिन आलोचना सुनने के बाद उनका कहना फिर भी जारी रहता है- 'मैं वेद शास्त्रों को जानता हूँ। तुम अस्त्रधारी उन्हें क्या जानो ?' शास्त्र के सूक्ष्म अर्थ को जो जानता है, वह मुझसे इस प्रकार न कहेगा। फिर भी भाई के हित में तुमने जो कहा, मैं उससे प्रसन्न हूँ। हे अर्जुन, तुम मेरी बुद्धि पर शंका न करो।

पर समूचा महाभारत, माँ कुंती से लेकर पत्नी द्रौपदी तक उनको लेकर सशंकित रहते हैं। दूसरे धर्मज्ञ हैं पितामह भीष्म जो शरों की शय्या पर लेटे हुए हैं। महामुनि व्यास युधिष्ठिर से कहते हैं-बेहतर होगा, भीष्म के पास जाकर वे राजशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करें। भीष्म ने इन्द्रादि देवताओं का साक्षात दर्शन किया है। महाबुद्ध भीष्म ने वसिष्ठ से वेद ज्ञान प्राप्त किया है। यद्यपि वे मनुष्य-योनि में उत्पन्न हुए हैं किन्तु मृत्यु उनकी इच्छा की वशी है। ब्रहर्षि नित्य उनके सभासद थे। ज्ञान और ज्ञेय में कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसे वे न जानते हैं। वे भीष्म धर्म के सूक्ष्म तत्व के वेत्ता है। 'इस पर युधिष्ठिर उन्हें अपने मन का असमंजस बताते हैं - घोर मार-काट करते हुए हमने उन्हें भी छल से शरशय्या पर लिटा दिया। अब किस मुँह से उनके पास जाऊँ? उनके मन में इससे भी बड़ी शंका एक और है कि- 'राजा के द्वारा-राजशास्त्र और धर्मचर्या इन दोनों का मेल एक साथ कैसे बिठाया जा सकता?'

यह केवल युधिष्ठिर और महाभारत-युग का सवाल नहीं है। व्यास जी उन्हें समझाते हैं- 'यदि तुम अपने लिए न भी जाना चाहो तो भी चारों वर्णों के हित की दृष्टि से तुम्हें भीष्म के पास जाना चाहिए क्योंकि वे सबके लिए हितकारी धर्मों का उपदेश करेंगे।'

संकेत स्पष्ट है राजा के लिए सबसे जरूरी है राजधर्म का पालन और भीष्म कहते हैं - 'राजाओं को प्रजा रंजन की कामना से शासन में प्रवृत्त होना चाहिए। ऐसा करके राजा लोक से उऋण होता है और सम्मान पाता है।' इसी सिलसिले में भीष्म जो

सबसे बड़ी बात कहते हैं, उसे महाभारत के शब्दों में पढ़ना उचित होगा-'सत्य के अतिरिक्त अन्य किसी उपाय से राजा को सिद्धि नहीं मिलती। सत्य में लगा हुआ राजा इस लोक में और परलोक में सुखी होता है, सत्य तो ऋषियों का परम धर्म है।' इसी क्रम में वे यह भी कहते हैं - 'अच्छा राजा प्रजा के प्रति ऐसा बर्ताव करता है जैसे घर में पिता पुत्रों के साथ। जिसके राज्य में प्रजाजन निर्भय होकर विचरते हैं, वही राजा उत्तम है। जिस राजा के राज्य में कूट कपट, माया और द्वेष नहीं होता वहीं सनातन धर्म देखा जाता है।'

राजा का सनातन धर्म है कि लोक का रंजन करे और सत्य का पालन करे और व्यवहार में ऋजुता बरते। भीष्म पितामह कहने को तो यह सब कह रहे हैं पर कौन नहीं जानता कि युधिष्ठिर ने जो शंका प्रकट की है, वह कोई आसानी से हल होने वाली बात नहीं है। क्या राजशास्त्र और धर्मचर्या का मेल एक साथ बिठाया जा सकता है? जिस जमाने में हम हैं, प्रदर्शन तो ऐसा ही किया जा रहा है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि जो राजपुरुष है, वस्तुतः वह धर्मपुरूष कहीं अधिक है। पर जब हम फिर भागवत आदि पुराणों की ओर लौटते हैं और धर्म के निर्णायक तत्वों (मानदण्डों) को जानना-तौलना शुरू करते हैं तब परेशानी ही परेशानी उठ खड़ी होती है।

श्रीमद्भागवत पुराण के सप्तम स्कन्ध के ग्यारहवें अध्याय की व्याख्या प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रोफेसर आजाद मिश्र लिखते हैं- 'ग्यारहवें अध्याय में पहले सभी मनुष्यों के सामान्य धर्म का वर्णन है जिसे सनातन धर्म कहते हैं, क्योंकि ये सभी लोगों के शाश्वत धर्म हैं।' तो क्या यह शाश्वत धर्म ही सनातन धर्म है? भागवतकार इसे भी रहस्यमय बनाकर नहीं रखते। बगैर किसी लाग-लपेट के गिना देते हैं-सत्यं दया तपः शौचं तितिक्षेक्षा शमो दमः । अहिंसा ब्रह्मचर्यं च त्यागः स्वाध्याय आर्जवम।

सत्य, दया, तप, पवित्रता, सहनशीलता (सहिष्णुता), विवेक, मन का संयम इन्द्रिय नियन्त्रण, ब्रह्मचर्य, त्याग, स्वाध्याय और सरलता (ऋजुता) - ये सभी लोगों के सनातन धर्म हैं। फिर तो सभी पुराणों में सदाचार का आग्रह प्रबल हो उठा। इस सदाचार में सत्य, अहिंसा, क्षमा और त्याग को प्रमुखता दी गई। यह भी कहा गया कि सब जीवों पर दया करना धर्म का परम लक्षण है क्योंकि सबमें एक ही परमात्मा का वास है।

इसी को मूल आधार मानते हुए वेदों से लेकर पुराणों तक में यह जोर देकर कहा गया कि सत्य ही सबसे बड़ा निर्णायक मूल्य है। जो सत्य है, वही दिव्य है। वही सृष्टि और ब्रह्मांड के केन्द्र में है। लोक में अत्यन्त प्रचलित धर्म कथा भी इसीलिए सत्यनारायण व्रत कथा है। सत्य का व्रत-पालन ही ईश्वर का स्मरण है। गांधी ने इसे उक्ति में ढालते हुए कहा- धर्म का पथ वस्तुतः ईश्वर का पथ है। यही सनातन का सार है और फिर भी बार-बार पुराणों का यह मर्म वचन याद रखने की जरूरत है–

अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचन द्वयं। परोपकाराः पुण्याय, पापाय परपीड़नम्। महाकवि तुलसी के शब्दों में-परहित सरिस धरम नहिं भाई/ परपीड़ा सम नहिं अधमाई। सनातन का सत्य अगर कुछ है तो यही है।

सेहत

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

मोटापा बना महामारी, निपटना उतना ही गंभीर

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में देश और दुनिया में तेजी से बढ़ रही मोटापे की समस्या का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि खाने में ऐसी चीजों का प्रयोग मत कीजिए, जिससे मोटापा बढ़े। इसकी जगह शुद्ध सात्विक चीजों का सेवन करें। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ राष्ट्र बनाने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना ही होगा। मोटापे से निजात पाना व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि यह परिवार के प्रति भी हमारी जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने खाने में तेल का उपयोग कम करने की सलाह देते हुए कहा कि यह कई बीमारियों की वजह बनता है। इससे मोटापे के साथ ही डायबिटीज, बीपी और दिल की बीमारियों का खतरा लगातार बना रहता है, इसलिए हमें तेल के अधिक प्रयोग से बचना बहुत जरूरी है। पीएम मोदी ने पहले भी मोटापा कम करने के लिए कहा है। इससे एक बार फिर महामारी बनती मोटापे की बीमारी पर देशभर में चर्चा छिड़ गई है। एक्सपर्ट लगातार इस पर चर्चा करते हुए मोटापे से बचने की सलाह दे रहे हैं।

दुनियाभर के लिए मोटापा कितना गंभीर रोग बनता जा रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे का शिकार है। स्वास्थ्य को लेकर जारी कई रिपोर्ट इस बात की तस्दीक करती हैं कि भारत में भी मोटापा तेजी से पैर पसार रहा है। रिपोर्ट कहती हैं कि देश में महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले मोटापा अधिक है। महिलाओं में मोटापे की दर 9.8 फीसदी है। वहीं पुरुषों में मोटापे की दर 5.4 फीसदी है, जबकि लड़कियों में मोटापे की दर 3.1 फीसदी और लड़कों में मोटापे की दर 3.9 फीसदी है। वहीं बच्चों में भी मोटापा चार गुना तक बढ़ गया है। भारत में 40 प्रतिशत महिलाएं और 12 प्रतिशत पुरुष पेट से जुड़े मोटापे से ग्रस्त हैं। शहरी क्षेत्रों में मोटापा ग्रामीण क्षेत्रों से ज्यादा है। दक्षिण भारत में मोटापा अधिक है। केरल, तमिलनाडु, पंजाब और दिल्ली में मोटापे की दर ज्यादा है। वहीं मध्य प्रदेश और झारखंड में मोटापे की दर कम है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, दुनियाभर में बहुत सारे लोग मोटापे से परेशान हैं। साल 2022 में तो एक अरब से ज्यादा लोग इस समस्या से जूझ रहे थे। अध्ययन कहता है कि 2022 में अधिक वजन वाले वयस्कों की संख्या करीब 43 प्रतिशत थी। वहीं यूरोप में अधिक वजन या मोटापा लोगों की मृत्यु और विकलांगता के प्रमुख कारणों में से एक है। एक अनुमान के मुताबिक, मोटापे के चलते पूरी दुनिया में हर वर्ष 12 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि अधिक वजन वाले और मोटापे से ग्रस्त लोग कोविड महामारी के परिणामों से अलग-अलग रूप से प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अक्सर अधिक गंभीर बीमारी और अन्य जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। अधिक वजन या मोटापे को कम से कम 13 विभिन्न प्रकार के कैंसर का कारण माना जाता है, जो पूरे यूरोप में सालाना कैंसर के कम से कम दो लाख नए मामलों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हो सकता है।असल में मोटापे को एक जटिल दीर्घकालिक बीमारी समझा जाता है, जो एक संकट बन गया है। यह एक ऐसी महामारी के रूप में उभर रहा है, जिसमें पिछले कुछ दशकों में भारी वृद्धि हुई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, वैसे तो मोटापे के लिए जिम्मेदार कारणों के साथ-साथ इस संकट को रोकने के लिए आवश्यक साक्ष्य-आधारित कार्यक्रमों की जरूरत को भी समझा जाता है, लेकिन समस्या यह है कि उन्हें लागू नहीं किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि लगभग सभी देशों की सरकारों और समुदायों को मोटापे पर काबू पाने के वैश्विक लक्ष्यों की पूर्ति की करने के लिए कार्रवाई और प्रगति के मार्ग पर वापस लौटना होगा। इन प्रयासों को डब्ल्यूएचओ और राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों की साक्ष्य-आधारित नीतियों का समर्थन देने की भी बात कही गई है। इसमें निजी क्षेत्र के सहयोग की भी आवश्यकता है, जिसे अपने उत्पादों के स्वास्थ्य प्रभावों के लिए जवाबदेह होना होगा।

साल 2022 में किए गए अध्ययन में सामने आया कि दुनिया भर में मोटापे से ग्रस्त बच्चों, किशोरों और वयस्कों की कुल संख्या एक अरब से अधिक हो गई है। 2022 में 15.90 करोड़ बच्चे और किशोर तथा 87.90 करोड़ वयस्क मोटापे से ग्रस्त थे। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 2022 में 43 फीसदी वयस्क अधिक वजन वाले थे। डब्ल्यूएचओ के सहयोग से किए गए इस अध्ययन में 190 से अधिक देशों में 1,500 से अधिक शोधकर्ताओं ने पांच साल या उससे अधिक उम्र के 22 करोड़ से अधिक लोगों के वजन और ऊंचाई की माप का विश्लेषण किया। उन्होंने यह समझने के लिए बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को देखा कि 1990 से 2022 तक दुनिया भर में मोटापा और कम वजन में किस तरह बदलाव आया। अध्ययन में कहा गया है कि 1990 के बाद से कम वजन वाले लोगों की संख्या में गिरावट के साथ-साथ मोटापा अधिकांश देशों में कुपोषण का सबसे आम रूप बन गया है। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि कुपोषण सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर एक बहुत बड़ी चुनौती बना हुआ है।

द लैंसेट में प्रकाशित अध्ययन के आंकड़ों के अनुसार, 1990 के बाद से मोटापे की चपेट में आने वाले वयस्कों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। वहीं 1990 के बाद से मोटापे की चपेट में आने वाले पांच से 19 वर्ष के बच्चों व किशोरों की संख्या चार गुनी हुई है यानी इस आयु की आबादी में मोटापा अपना दायरा बहुत तेजी से बढ़ा रहा है। रिपोर्ट कहती है कि मोटापा कई गैर-संचारी रोगों के खतरे को बढ़ाता है, जिनमें हृदय रोग, टाइप-2 मधुमेह (डायबिटीज) और सांस संबंधी पुरानी बीमारियां शामिल हैं। वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि मोटापे की वजह से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि दिल की बीमारी, डायबिटीज और यहां तक कि कैंसर भी। सिर्फ इतना ही नहीं, मोटापा हमारे शरीर को भी कमजोर बनाता है। इससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और चलने-फिरने की क्षमता भी कम हो सकती है। मोटापे की वजह से नींद भी अच्छी नहीं आती और हम रोजमर्रा के काम भी ठीक से नहीं कर पाते।कई देशों में मोटापा सेहतमंद बनाम गैर सेहतमंद भोजन का मामला भी बन गया है। कुछ मामलों में ये मार्केटिंग कंपनियों की आक्रामक रणनीति भी है, जो गैर सेहतमंद भोजन को बढ़ावा देती है। कई बार सेहतमंद भोजन की कीमत ज्यादा होने या उपलब्ध न होने पर भी लोग ऐसे भोजन को प्राथमिकता देते हैं, जो मोटापा बढ़ा सकते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि वे मोटापे के आंकड़े को वर्षों से देखते रहे हैं। वे मोटापे की बढ़ती रफ्तार से हैरान हैं। अब कई और देश लोगों में बढ़ते मोटापे के संकट से जूझ रहे हैं। वे कहते हैं कि उन जगहों की संख्या भी घटी है, जहां लोगों में कम वजन एक समस्या बनती जा रही थी। कुछ एक्सपर्ट मोटापे को दो नई कैटेगरी में बांटने की वकालत भी करते हैं। पहली क्लीनिकल मोटापा, जिसका मतलब है मोटापे की वजह से हमारे शरीर का कोई अंग ठीक से काम नहीं कर रहा है, जैसे कि दिल, किडनी या लिवर। दूसरी, प्री-क्लीनिकल मोटापा। इसका मतलब है अभी तक कोई बीमारी नहीं हुई है, लेकिन मोटापे की वजह से बीमार होने का खतरा बढ़ गया है।

तेल मोटापे की सबसे बड़ी वजह है। सबसे पहले अपने भोजन में तेल की कटौती करनी होगी। अगर धीरे-धीरे कटौती करेंगे, तो वजन घटेगा। वहीं मोटापे से बचने के लिए अपने आहार और जीवनशैली में बदलाव करें। रोजाना जितनी कैलोरी बर्न करते हैं, उससे ज्यादा कैलोरी न खाएं। चीनी-मीठे पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें। ज्यादा वसा वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करें। प्रोटीन के स्रोतों जैसे बीन्स, दाल और सोया का सेवन बढ़ाएं। फल, सब्जियां, साबुत अनाज खाएं। भरपूर पानी पिएं। खाने में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं। हर सप्ताह तीन से चार दिन औसतन 60 से 90 मिनट या उससे ज्यादा मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करें। टहलना, सीढ़ियां चढ़ना-उतरना, बगीचे में काम करना, टेनिस खेलना, बाइकिंग, स्केटिंग जैसी गतिविधियां करें। पर्याप्त नींद लें और तनाव प्रबंधन करें। अपने स्वास्थ्य देखभाल के लिए पेशेवरों से सलाह लें। व्यवहार संबंधी उपचार जैसे समूह परामर्श और सत्रों में शामिल हों। ध्यान रखें कि वजन धीरे-धीरे घटाने से वजन को बनाए रखने की संभावना ज्यादा होती है। इस तरह कुछ बातों का ध्यान रखकर मोटापे की समस्या से निजात पाई जा सकती है।

हाई कोर्ट के फैसले से गाँव के पंचायत की याद आई!

मुद्दा

डॉ. तेजी ईशा

लेखिका एसजीटी यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता विभाग में कार्यरत हैं।

आज से करीब बीस साल पहले की बात है। गाँव में एक पंचायत बैठी। छायादार पीपल के पेड़ के नीचे। भरी दोपहरी में। पंचायत के सामने मामला आया। एक नाबालिक लड़की के पिता ने बताया कि कैसे गाँव के ही एक लड़के ने उसकी बेटी को खेत में पकड़ने की कोशिश की। जब वो बकरी को पानी पिलाने खेत गई थी। पांचों ने बात सुनी। फिर लड़के के पिता ने बोलना शुरू किया। वो अपने बेटे के किए पर शर्मिंदा तो थे लेकिन उसके किये को कोई बड़ा अपराध मानने के लिए तैयार नहीं थे। लड़की पंचों के सामने मौजूद नहीं थी लेकिन लड़का वहाँ मौजूद था। लड़की-लड़के के बाप को सुनने के बाद एक पंच ने कहा- लड़के को समझाओ। ये अच्छी बात नहीं। गाँव की लड़की उसकी बहन हुई। कोई अपनी बहन के साथ ऐसा कुछ करता है क्या? पंच की बात सुन लड़के के बाप ने अपने बेटे पर नजरें तरेरी। मानों उसने उसी समय उसे समझा दिया। इसके बाद पंचायत उठ गई। न कोई सजा। न कोई जुर्माना। न मारपीट। कुछ भी नहीं। लड़की के घर वालों सहित पूरे गाँव ने फैसला मान लिया। किसी को कोई एतराज नहीं था।

आज बीस साल बाद पंचायत के उस फैसले की याद एकदम से आ गई। सारी पुरानी बातें। सारी चुप्पी। सारी हिदायतें एकदम से याद आ गई। और ये सब हुआ इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जस्टिस मनोहर नारायण मिश्र के आदेश की वजह। 11 साल की एक बच्ची के केस को सुनते हुए, जज साहब ने अपने फैसले में लिखा-बच्ची के निजी अंग को पकड़ना। पैजामे का नाड़ा तोड़ना बलात्कार की कोशिश नहीं है। 'बलात्कार की कोशिश' को स्थापित करने के लिए और सबूत लगेंगे। उन्होंने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष को ये साबित करना होगा कि मामला तैयारी से आगे बढ़ चुका था।

सोचिए, हाईकोर्ट का ये फैसला साल 2025 में आया है, निर्भय कांड के बाद। साल 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के एक फैसले को पटलते हुए कहा था, 'किसी बच्चे के यौन अंगों को छूना या 'यौन इरादे' से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 की तहत 'यौन हमला' माना जाएगा। अब मैं ये नहीं समझ पा रही कि सालों पहले पंचायत में बैठे पंचों को उनकी गलती के लिए दोष दिया जाए या इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति महोदय से उनके फैसले पर सवाल पूछा जाए? इस फैसले के बाद, उस लड़की के मनःस्थिति को भी समझने की कोशिश कर रही है जिसे एक लड़के ने उसकी छाती से पकड़ा। उसके पैजामे का नाड़ा तोड़ा और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश की।

और अब अदालत कह रहा है कि ये सब जो उस 11 साल की लड़की के साथ हुआ वो 'बलात्कार की कोशिश' जैसे अपराध को स्थापित करने के लिए काफी नहीं है। इस सब के बाद। कोर्ट के इस आदेश के बाद उस लड़की के मन में कैसा तूफान मचा होगा? वो क्या सोच रही होगी? क्या वो इस फैसले के बाद न्याय व्यवस्था में भरोसा रख पाएगी? क्या इस देश की बाकी लड़कियां, महिलाएं इस फैसले के बाद देश की न्याय व्यवस्था में अपना भरोसा कायम रख सकेंगी? ये बड़ा और जरूरी सवाल है जिसका जवाब इस देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट को खोजना चाहिए। ऐसा न हो कि गाँव की पंचायत और देश की अदालतों में कोई खास फर्क न रह जाए!

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रदीप औदिच्य

लेखक व्यंग्यकार हैं।

झोपड़ी का पत्र आग के नाम

है आदरणीय आग,
तुम्हे जलन भरा प्रणाम। तुम्हे धन्यवाद देती हूं कि तुम वहां तक पहुंची जहां आम आदमी आसानी से नहीं पहुंचता। मुझे तो शायद तुमने पहचाना नहीं होगा।मैं वह झोपडी हूं , तुम जहां तक यदाकदा जरा जरा सी बात पर चली आती हो।

खैर ठीक है ,आज तुम बड़े साहब के बंगले तक पहुंच गई। न्याय के राजा है वह उनके दरवाजे आसानी से हर किसी के लिए नहीं खुलते । तुम उस घर में वहां गई जहां सोने जैसे चमक लिए न्याय के राजा का वास था।

तुम बड़ी भाग्यशाली हो,तुमने वह सब एक कमरे में देखा जिसे खुली आंखों से न्याय की देवी ने देख कर अनदेखा कर दिया था।

अग्नि... न्याय की तराजू तो सबने देख रखी है पर तुमने तराजू के एक पलड़े पर रखा जाने वाला वजन भी देख लिया। आग ऐसे कई बंगले है जहां न्याय की कीमत रखी हुई है।अलमारी में बंद आम आदमी का भाग्य भी रखा है।

हे आग,विनती यही आग तुमसे कि साल में एक दो बार ऐसे ही सरकारी बड़े घरों में झांक लिया करो,जले अधजले ,बिना जले बोरियों में भरे बंडल मिल ही जाएंगे।

सही बात तो ये है आदरणीय आग जी तुम्हे भी पता नहीं होगा कि बंगले में न्याय विराजता है,अगर तुम्हे पता होता तो तुम्हें वहां केवल चूल्हे में ही कैद हो कर रह जाती। तुम रास्ता काट कर कोई झोपड़ी तलाश करती।खाओ कसम माचिस की, कि तुम्हे पता था कि ये लॉर्ड साब का बंगला है जहां न्याय उनके कुर्सी टेबिल के नीचे विराजता है। न्याय तो वही है जो बड़े बंगले में बड़ी फीस में उपलब्ध होता है। न्याय की देवी तो वैसे ही आंखों पर पट्टी बांधे रहती है। अब पट्टी खुल गई ,खुली हुई आंखे है,देखना अब ,वह इस आग को भी नहीं छोड़ेंगी।

आग का ही कुसूर है, सारा। उसे देखना चाहिए कि वह किस से पंगा ले रही है।

किसी दिन वह बड़े साहब हत्थे चढ़ गई न तो वह अपने तीन लोगों की बेंच से फैसला करवा देंगे, कि आग का हक ही नहीं है वह किसी को जलाए उसे पहले बड़े साहब के पास पेश होना पड़ेगा।

आग मैडम,तुम अब उलझ गई,ध्यान रखना न्याय के कर्ताधर्ता खुद के लिए बड़े ही नियम कानून के पक्के होते है। अब वह फायर ब्रिगेड के विभाग की खबर लेंगे। कब आधी रात को फायर ब्रिगेड को घर बुला कर कहे कि देख लिया था कि उस कमरे में न्याय की कीमत रखी है, तो उसे अनदेखा कर देना था,जैसे हम करते है अपने नीचे बैठे लोगों को।न्याय राजा के घर में झांकना, ये न्याय राजा की निजता का सवाल है।

आग इसके पहले भी कई बार तुम सरकारी भवन में गई हो, कई बिल्डिंग खाक की है। लेकिन वहां तब तुमने सबूत जलाए है,ये शायद पहली बार है कि सबूत जीवित किए हों।ये आग साधारण नहीं थी न्याय की अग्नि परीक्षा की थी इसमें वह फेल हुआ है।

आग तुमने न्याय सिस्टम नहीं,न्याय सेटिंग के आवरण को जलाया है।

अब न्याय आग में तपा कुंदन बना है। वहां जो सोना मिला है न , वह अग्नि परीक्षा में खरा न्याय है।

आदरणीय आग जी,अब न्याय की रक्षा के लिए बड़े कचहरी के साहब नियम बनाएंगे।नियम में पहली चिन्ता होगी कि अब ऐसा न्याय न दिखे।

पहली बात तो ये है कि हर बंगले पर खुद की एक फायर ब्रिगेड होगी।जिस से बाहर से फायर ब्रिगेड को बुलाना ही न पड़े।इनके कोर्ट के कर्मचारी जो घर की सब्जी लाने से लेकर साहब के ट्रेन के टिकिट की व्यवस्था तक करते है ।वह ही आग बुझाने की प्रैक्टिस करेंगे।क्यों कि साहब के बंगले की बातें अंदर ही रहे।

आगे ऐसे बंगले उपलब्ध किए जाएं जिस में आसानी से आग न लगे।

और सभी लार्ड साहब को सख्त निर्देश दिए जाएंगे कि आप नगदी घर में न रखें।

आग अब इस पत्र की आखिरी बात

कृपया, पहले सभी बड़े बंगलों तक झांक लें,इसके बाद इस झोपड़ी तक आएं।

आपकी
जब चाहे जल जाने वाली
झोपड़ी

बलिदान दिवस

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक स्तम्भकार हैं।

गणेश शंकर विद्यार्थी : पत्रकारिता का गौरवमय किरीट

'प्रताप' के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी अपनी अग्निधर्मा लेखनी और उग्र राष्ट्रवादी लेखों के कारण अंग्रेजी सत्ता के कोप भाजन भी बने पर वह अपने साधना पथ से किंचित भी न डिगे, न रुके बल्कि कहीं अधिक प्रज्ज्वल प्रखर निर्भय होकर किसानों, मजदूरों और आमजन की कठिनाईयों को स्वर देते रहे, अंग्रेजी दमनकारी नीति का विरोध करते रहे। वह हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे। वे समान भाव से दोनों पक्षों की एकजुटता के लिए धरातल तैयार करते रहे। किंतु समय का कैसा विरोधाभास है कि पांथिक एकता, सामाजिक सद्भाव एवं सौहार्द्र, मानवीय मूल्यों के लिए पल-पल जीने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी 25 मार्च, 1931 को कानपुर के सम्प्रदायिक दंगे की भेंट चढ़ गये।

अंग्रेजी शासन से मुक्ति और स्वराज्य प्राप्ति के लिए 1857 से आरम्भ हुआ स्वाधीनता संघर्ष 1947 में पूर्ण हुआ। इस यात्रा में देश के विविध क्षेत्रों से हजारों नर-नारियों ने योगदान दिया है। अपना सर्वस्व समर्पण करके मां भारती के गौरव एवं गरिमा में वृद्धि की है। भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में समाज जागरण करते हुए राष्ट्रीय एकात्मकता का भाव भरने के क्रम में पत्र-पत्रिकाओं की भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।? इस श्रंखला में कानपुर से प्रकाशित साप्ताहिक राष्ट्रीय समाचार पत्र 'प्रताप' का नाम सर्वप्रथम अंकित है जो अपने तेज-ओज, गाम्भीर्य और राष्ट्रवादी तेवर के कारण भारतीय जन मानस का कंठहार पत्र बन सतत नवल उत्साह का संचार कर ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध प्राण फूंकता रहा तो वहीं अंग्रेजों की आंखों में किरकिरी बन उनके हृदय को कचोटता भी रहा। 'प्रताप' के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी अपनी अग्निधर्मा लेखनी और उग्र राष्ट्रवादी लेखों के कारण अंग्रेजी सत्ता के कोप भाजन भी बने पर वह अपने साधना पथ से किंचित भी न डिगे, न रुके बल्कि कहीं अधिक प्रज्ज्वल प्रखर निर्भय होकर किसानों, मजदूरों और आमजन की कठिनाईयों को स्वर देते रहे, अंग्रेजी दमनकारी नीति का विरोध करते रहे। वह हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे। वे समान भाव से दोनों पक्षों की एकजुटता के लिए धरातल तैयार करते रहे। किंतु समय का कैसा विरोधाभास है कि पांथिक एकता, सामाजिक सद्भाव एवं सौहार्द्र, मानवीय मूल्यों के लिए पल-पल जीने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी 25 मार्च, 1931 को कानपुर के सम्प्रदायिक दंगे की भेंट चढ़ गये। भारत माता के इस वीर सपूत का शव अस्पताल में चार दिन शवों के ढेर में पड़ा रहा और फूल गया। दैवयोग से, 29 मार्च को किसी ने विद्यार्थी जी के शव की शिनाख्त की तो तब अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ, तब पूरा देश शोक-सिंधु में डूबे गया। गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता के गौरवमय किरीट हैं। गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर, 1890 को अपने ननिहाल इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में कायस्थ परिवार में हुआ था। पिता मुंशी जयनारायण श्रीवास्तव तत्कालीन मध्यभारत के मुंगावली में एक विद्यालय में शिक्षक थे और माता गोमती देवी एक सामान्य गृहिणी। नाना सूरज प्रसाद श्रीवास्तव सहायक जेलर थे, इस कारण घर-परिवार में नियम-अनुशासन का सख्त वातावरण था, जिसका प्रभाव विद्यार्थी जी पर पड़ा। उनकी प्राथमिक शिक्षा मुंगावली और विदिशा में पिता की देखरेख में पूरी हुई। परिवार में आर्थिक कठिनाई के कारण संस्थागत पढ़ाई का क्रम खंडित हुआ और आपने हाईस्कूल की परीक्षा व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण कर करेंसी ऑफिस, कानपुर में लिपिक पद पर काम कर परिवार के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के अवलम्ब-आधार बने। फारसी और उर्दू के साथ अंग्रेजी पर भी समान अधिकार था, तभी तो विक्टर ह्वेगो के उपन्यास 'नाइनटी थ्री' का हिंदी अनुवाद करने में सफल हुए। अंग्रेजी सत्ता के विरोद्ध अपने स्वभाव के कारण करेंसी ऑफिस में अधिक समय तक कार्य न कर सके और नौकरी छोड़नी? पड़ी। पढ़ने-लिखने लिखने में रुचि थी ही। छात्र जीवन से ही तत्कालीन प्रमुख पत्रिकाओं 'कर्मयोगी' एवं 'स्वराज्य' से जुड़े रहे। इन पत्रों में आपकी रचनाएं भी छपीं तो प्रोत्साहन मिला। 16 वर्ष की अवस्था में 'हमारी आत्मोत्सर्गता' नामक पुस्तक लिखी। हीरे की चमक बिखर रही थी। आपके लेख

पढ़कर पं. महावीर द्विवेदी बहुत प्रभावित हुए और 'सरस्वती' पत्रिका में उप संपादक पद पर काम करने का प्रस्ताव रखा। विद्यार्थी जी 'सरस्वती' में काम करने लगे। पं. महावीर द्विवेदी का सान्निध्य मिला तो कंचन कुंदन बन निखर गया। किंतु विद्यार्थी जी का मन साहित्यिक पत्रिका में नहीं रमा क्योंकि उनमें राजनीति, राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और सार्वजनिक जीवन के मुद्दों पर लिखने और अपने विचार समाज तक ले जाने की इच्छा-आकांक्षा बलवती हो रही थी। फलतः आप महामना मदनमोहन मालवीय के पत्र 'अभ्युदय' से जुड़ इलाहाबाद आ गये। पर मन में कसक बाकी थी, लगता था कि कुछ विशेष करना है जिसके लिए अपना प्रेस स्थापित कर एक पत्र निकालना होगा। यह स्वप्न विद्यार्थी जी को 1913 में कानपुर ले आया। समान विचार के साथी माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा नवीन, कृष्णदत्त पालीवाल, देवव्रत शास्त्री, सुरेशचंद्र भट्टाचार्य एवं युगल किशोर सिंह का सहयोग सम्बल मिला और अक्टूबर 1913 में साप्ताहिक पत्र 'प्रताप' के विचार स्वप्न को साकार करने की रूपरेखा तैयार हुई और 9 नवम्बर, 1913 को 'प्रताप' का प्रवेशांक लोक सम्मुख प्रकाशित हुआ। 'प्रताप' की नीति के बारे में पहले अंक में ही विद्यार्थी जी ने अग्रलेख में लिखा, 'समस्त मानवजाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य है। हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की घुड़की या धमकी हमें अपने कर्तव्य मार्ग से न विचलित कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ-प्रदर्शक होंगे। सम्प्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से 'प्रताप' स्वयं को सदा अलग रखने की कोशिश करेगा।' कहना सर्वथा उचित होगा कि 'प्रताप' अपने इस उद्देश्य पथ पर ही अनवरत गतिशील रहा, कभी पथ से विचलित नहीं हुआ। हालांकि 'प्रताप' अंग्रेजी सत्ता की क्रोधाग्नि का शिकार हुआ। विद्यार्थी जी को तीन बार पत्रकारिता के कारण और दो बार राजनीतिक भाषण के कारण जेल जाना पड़ा। 'प्रताप' पर अर्थदण्ड भी लगा, प्रकाशन स्थगित हुआ पर 'प्रताप' पुनि-पुनि नवल प्रताप ग्रहण कर प्रकाशित होता रहा।

गणेश शंकर विद्यार्थी लेखनी के धनी तो थे ही, साथ ही वे क्रांति एवं अहिंसा के समन्वय सेतु भी थे। वह लोकमान्य बालगंगाधर तिलक के राष्ट्रीय विचार की नौका पर सवार थे तो महात्मा गांधी की अहिंसा की पतवार भी थामे थे। स्वतंत्रता आंदोलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रखर प्रचंड स्तम्भ थे तो क्रांतिकारियों के सम्बल मार्गदर्शक भी। कौन नहीं जानता कि भगत सिंह ने कानपुर में 'प्रताप' में आश्रय ले विद्यार्थी जी का सान्निध्य प्राप्त किया था। चंद्रशेखर आजाद से भी भेंट-मुलाकात कर विद्यार्थी जी ने क्रांति पथ का ताव और आब देखा था। उनकी पहल पर ही श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' विरचित गीत 'झंडा ऊंचा रहे हमारा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' का सामूहिक गायन जलियांवाला बाग बलिदान दिवस के अवसर पर 13 अप्रैल, 1924 को कानपुर में हुआ था।

भारत सरकार ने विद्यार्थी जी की स्मृति में डाक टिकट जारी किया। कानपुर और गोरखपुर में चौराहों के नाम और कानपुर हवाई अड्डा के नाम उन पर रखा गया। गणेश शंकर विद्यार्थी वास्तव में अपने आदर्शों एवं संकल्पों की सिद्धि के लिए जीते रहे और इस असार संसार से जाते-जाते भी मानवता का अमर संदेश दुनिया को दे गये। विद्यार्थी जी की जीवन गाथा हम सभी के लिए न केवल प्रेरक है अपितु जीने के उद्देश्य का मार्गदर्शन भी करती है। उनके विचार के दीपक कोटि-कोटि हृदयों में जलते रहेंगे।

तकनीक

मुनीष भाटिया

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती आवश्यकता और भविष्य की संभावनाएँ

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता बन चुकी है। पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन सीमित संसाधन हैं और इनके लिए भारत को बड़े पैमाने पर अन्य देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। भारत हर साल लगभग अरबों डॉलर मूल्य का कच्चा तेल आयात करता है, जिससे आर्थिक असंतुलन और व्यापार घाटा बढ़ता है। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है और स्वच्छ पर्यावरण व आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए भारी मात्रा में पेट्रोल और डीजल आयात करता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है और व्यापार संतुलन प्रभावित होता है। यदि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ती है , तो भारत लगभग विदेशी मुद्रा बचा सकता है साथ ही, बैटरी निर्माण और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से नए रोजगार के अवसर भी सृजित हो सकते हैं।

बड़े शहरों में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण पारंपरिक वाहनों से होने वाला उत्सर्जन है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में वाहनों से होने वाला प्रदूषण सर्वाधिक है। भारत में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया के बीस सबसे प्रदूषित शहरों में से चौदह शहर भारत में हैं। 2022 में दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर पर रहा। पारंपरिक वाहनों से निकलने वाला धुआं, जिसमें नाइट्रोजन ऑक्साइड, पार्टिकुलेट मैटर और कार्बन मोनोऑक्साइड शामिल हैं, वायु प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदान देता है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से इन हानिकारक उत्सर्जनों को काफी हद तक कम किया जा सकता है, जिससे देश में स्वच्छ हवा और बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलेगा। इलेक्ट्रिक वाहन शून्य कार्बन उत्सर्जन करते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। यदि इन्हें नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर और पवन ऊर्जा से चार्ज किया जाए, तो ऊर्जा की स्वच्छता और आत्मनिर्भरता को और बढ़ावा मिलेगा। पिछले कुछ समय में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में इजाफा दर्शाता है कि लोग धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपना रहे हैं। हालांकि, इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं, जैसे चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, बैटरियों की उच्च कीमत और सीमित रेंज और चार्जिंग समय। यदि सरकार और निजी कंपनियां मिलकर इन समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य करें, तो भारत इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति में अग्रणी बन सकता है।

देश में अभी भी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या सीमित है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा में दिक्कत आती है। शहरी क्षेत्रों में कुछ चार्जिंग पॉइंट उपलब्ध हैं, लेकिन ग्रामीण और हाईवे नेटवर्क में इनकी कमी से इनके अपनाने की गति धीमी है। बैटरी चार्जिंग में लगने वाला समय भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में यह अधिक समय लेता है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार को हाईवे और शहरों में फास्ट चार्जिंग स्टेशन लगाने चाहिए। दूसरा इनकी लागत अभी भी पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों से अधिक हैं, जिसका मुख्य कारण बैटरी की ऊँची

लागत है। इसके अलावा, चार्जिंग की बिजली दरें और होम चार्जिंग सेटअप की लागत भी उपभोक्ताओं के लिए एक चिंता का विषय है। यदि सरकार चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाए, बैटरी निर्माण की लागत घटाएं और चार्जिंग की बिजली दरों में रियायत दे, तो इन वाहनों को अपनाने की गति तेज हो सकती है।भारत को आत्मनिर्भर बनने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन, बैटरी निर्माण और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना होगा। स्टार्टअप और ऑटोमोबाइल कंपनियों को रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देना चाहिए। स्थानीय स्तर पर बैटरी निर्माण को प्रोत्साहित करने से भारत न केवल आयात पर निर्भरता कम करेगा, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। सड़क संरचना और ट्रैफिक प्रबंधन सुधारना आवश्यक है, क्योंकि खराब सड़कों के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी जल्दी खत्म होती है, जिससे उनकी दक्षता कम होती है। हाईवे पर तो सडक मार्ग ठीक है किन्तु वाही ग्रामीण स्तर पर दृष्टि की जाए तो ये अभी भी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अनुपयुक से लगते है ढ्ढ फिर उस पर इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी का इन खराब सड़कों में जल्दी डिस्चार्ज हो जाना भी समस्या है ढ्ढ सरकार को सड़क निर्माण और मरम्मत को प्राथमिकता देनी चाहिए। हाईवे और शहरी क्षेत्रों में फास्ट चार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना में तीव्रता लानी होगी और ग्रामीण स्तर पर चार्जिंग स्टेशन लगाने बारे भी दीर्घकालीन योजना बनानी होगी ताकि इनकी लोकप्रियता ग्राम स्तर तक भी पहुच सके।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों की ऊंची कीमत के कारण इलेक्ट्रिक वाहन महंगे हैं। इसके लिए स्थानीय उत्पादन यूनिट को बढ़ावा देकर बैटरियों का उत्पादन सस्ता करने की पहल काना भी जरूरी है । इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर कर छूट दी जाए, ताकि अधिक लोग उन्हें अपना सकें। कुछ क्षेत्रों में केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को चलने की अनिवार्यता करने पर भी इनकी लोकप्रियता बढ़ाई जा सकती है। बैटरियों की लागत कम करने और पर्यावरणीय प्रभाव घटाने के लिए रिसाइक्लिंग जैसी तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। इसके साथ ही सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक बसों, ऑटो और टैक्सियों को बढ़ावा देने से ईंधन की खपत कम होगी और वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी। इलेक्ट्रिक वाहन भारत को स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर ले जाने का माध्यम बन सकते हैं। सरकार, उद्योग और उपभोक्ताओं को मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। यदि सड़कों की स्थिति सुधारी जाए, विशेष इलेक्ट्रिक वाहन लेन बनाई जाए, अधिक सब्सिडी और टैक्स छूट दी जाए, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाए और बैटरी की लागत घटाई जाए, तो इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता तेज़ी से बढ़ सकती है। इससे भारत एक ऊर्जा-संपन्न, आर्थिक रूप से सशक्त और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार राष्ट्र बन सकेगा।

प्रदेश के विकास के सारथी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

जन्मदिन पर विशेष

डॉ. हरीशकुमार सिंह

लेखक उज्जैन निवासी स्तंभकार हैं।

25 मार्च 1965 को जन्मे डॉ. मोहन यादव का छात्र राजनीति से मुख्यमंत्री तक का सफर आपकी दूरदृष्टि और पक्के इरादों का प्रतिफल है। डॉ. मोहन यादव आरम्भ से ही भविष्य के लिए बड़ी योजनायें बनाने वाले, भविष्यदर्शी राजनेता रहे हैं और जब भी सोचते हैं बड़ा ही सोचते हैं। उच्च शिक्षित डॉ. मोहन यादव उज्जैन शहर की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत से भी बखूबी परिचित हैं। जब उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बने तो सबसे पहले श्री गणेश चिंतामन मंदिर का भव्य द्वार बनवाया और उज्जैन शहर में प्रवेश के लिए चार विशाल आकर्षक द्वार बनवाये। सांवराखेडी का पुल बनवाकर सिंहस्थ और आवासीय क्षेत्र का विस्तार किया क्योंकि यह शहर की बढ़ती जनसंख्या जो नब्बे के दशक में चार करोड़ थी, आज आठ करोड़ के आसपास है के लिए यह बहुत जरुरी था। शहर को विक्रमोत्सव जैसा आयोजन दिया और यह भी प्रतिवर्ष विशाल जनुसमुदाय के मध्य आयोजित होता है। शहर में विक्रमादित्य शोध पीठ की स्थापना की और सम्राट विक्रमादित्य पर बने महानाटक का प्रदर्शन सुदूर दक्षिण हैदराबाद तक करवा दिया और आगामी अप्रैल में दिल्ली में लाल किले पर होने जा रहा है। कर्क रेखा जो पहले उज्जैन से गुजरती थी जब यह पता चला कि अब यह उत्तर की और बढ़ गयी है तथा अब महिदपुर के डोंगला ग्राम से गुजरती है तो डॉ. मोहन यादव ने डोंगला वेधशाला स्थापित कर उसे विज्ञान और धर्म का केंद्र बनाने की ठान ली और यह कार्य अभी जारी है।

डॉ. मोहन यादव बड़ी सोच का बड़ा जादू वाले राजनेता हैं और मुख्यमंत्री बनते ही उनके प्रशासनिक निर्णयों ने उनकी इच्छाशक्ति को दर्शा दिया। विदेशों में किसी को सड़क से हटाने के लिए वाहनों के हॉर्न बजाने को सामने वाला अपनी बेइज्जती समझता है और अपने यहाँ ध्वनि प्रदूषण की कोई सीमा नहीं है ऐसे में सभी धार्मिक स्थलों से शोर करने वाले यंत्रों पर न्यायालय की मंशा के अनुरूप प्रतिबंध का निर्णय मुख्यमंत्री पद संभालते ही लिया। आजादी के छियत्तर वर्षों के बाद भी नन्हे मुन्ने यदि खुले बोरवेल में गिर रहे हैं तो वैज्ञानिक युग में यह हमारी घोर असफलता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुले बोरवेलों पर संज्ञान लेते हुए सभी जिलों के कलेक्टर को इस पर ध्यान देने,और खुले बोरवेल चिह्नित कर उन्हें बंद करने को कहा। यह बताता है कि मुख्यमंत्री जी का ध्यान बड़ी - बड़ी बातों से लेकर छोटी-छोटी मगर महत्वपूर्ण बातों पर भी है। उज्जैन में पिछले

मार्च और अप्रैल 2024 के महीने सदैव याद किये जायेंगे जब शहर में 1 और 2 मार्च को रीजनल इंडस्ट्री कानक्लेव आयोजित की गई। दो दिवसीय इंडस्ट्री कानक्लेव में विदेशी उद्योगपति सहित देश के सैकड़ों उद्योगपति सम्मिलित हुए और उज्जैन ही नहीं पूरे प्रदेश को करोड़ों के उद्योग की सौगात दे गए। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योगपतियों से आमने-सामने की चर्चा कर, सपनों को हकीकत में बदलने के सफल प्रयास किये और सांस्कृतिक अभ्युदय से समृद्धि के पथ पर प्रदेश को आगे बढ़ाते नजर आये।

प्रदेश के अलग-अलग शहरों में इंडस्ट्री कानक्लेव कराना और पिछली फरवरी में अनन्त संभावनाओं की भूमि मध्यप्रदेश में 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' की थीम पर दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से करवाना और सेक्टर आधारित सत्रों में राष्ट्र और बहुराष्ट्रीय निवेशकों से मिलना और उसके पहले निवेश के लिए जापान यात्रा कर, प्रदेश के लिए निवेश को लाना और पूरे प्रदेश के लिए उद्योग और रोजगार को हकीकत में बदलना उनका मूलमंत्र रहा है। इस निवेश महाकुम्भ में करीब इकतीस लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले और करीब इक्कीस लाख नये रोजगार की संभावना बनी और इसे जमीन पर उतारने के लिए इनकी निरन्तर मॉनिटरिंग के लिए अधिकरियों को फॉलोअप करने को कहा। रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, माइनिंग, डिफेंस , टेक्नोलॉजी, टूरिज्म, टैक्सटाइल जैसे नए क्षेत्रों में निवेश सर्वथा नवीन सोच रही। ग्वालियर-भिंड से लेकर डिंडोरी तक पूरे प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मिले निवेश धरातल पर उतर रहे हैं। प्रदेश में करोड़ों की लागत की रोज नई परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है।

मध्यप्रदेश में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारम्भ होने जा रहा है जिससे प्रदेश में पचास हजार से अधिक खेत-तालाबों का निर्माण, वर्षा जल संचयन और एक लाख से अधिक जलदूतों की सहभागिता से जल सरंचनाओं का नवीनीकरण भी होने जा रहा है। अभी तक जो परियोजनाएं राज्यों के बीच पानी के विवाद को लेकर साकार नहीं हो पा रहीं थीं उन्हें भी अपने मुख्यमंत्री काल में डॉ. मोहन यादव ने अपने संकल्प से पूरा किया जिनमें पार्वती - कालीसिंध - चम्बल और केन बेतवा लिंक परियोजना प्रमुख रहीं। नारी, किसान,युवा और गरीब की उन्नति और उत्थान के लिए सरकार संकल्पित लग रही है जब सरकार ने किसानों से छब्बीस सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेंहूँ, दूध पर पांच रुपये प्रति लीटर बोनस, दस से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान और आगामी 2028 तक ढाई लाख पदों पर युवाओं को नौकरी देना सुनिश्चित किया है।

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है और सरकारी अस्पतालों को सुविधाजनक बनाया जा रहा है। आवागमन के लिए सड़कों का विस्तार किया जा रहा है। धार्मिक पर्यटन के लिए अनेक योजनायें लाई जा रहीं हैं और मध्यप्रदेश में जहाँ जहाँ भगवान श्रीकृष्ण ने लीलायें कीं उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। डॉ. मोहन यादव पूरे प्रदेश के सर्वेसर्वा हैं और इसमें संदेह नहीं कि उनकी दूरदृष्टि और पक्का इरादा प्रदेश को विकास के नए मार्ग पर ले जाएगा। आपका मूलमंत्र है कि होली हो या दीवाली हमारा हर दिन काम करने का संकल्प है।

महावीर जयंती तक मंदिर में 48 दीपों से भक्तामर पाठ का होगा आयोजन

धार। दिगंबर जैन शांतिनाथ मंदिर धार में परंपरा अनुसार इस वर्ष भी आदिनाथ भगवान जयंती 23 मार्च से शुरू होकर महावीर जयंती 10 अप्रैल तक 48 दीपों से भक्तामर पाठ करने का आयोजन रखा गया है। यह कार्यक्रम 23 मार्च आदिनाथ जयंती से शुरू हो चुका है। पाठ सामूहिक रूप से समाजजनों द्वारा रात्रि 8 बजे किया जाएगा। पाठ समाप्ति पर उपस्थित सभी समाजजनों को प्रभावना बांटने की भी योजना है। भक्तामर पाठ करने का आयोजन क्रमानुसार एक परिवार द्वारा प्रतिदिन किया जाएगा। गत वर्ष भी इसी तरह का आयोजन किया गया था, जो अत्यधिक सफल रहा था। दिगंबर जैन समाज धार के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल एवं सचिव संजय छाबड़ा ने सभी समाजजनों से अपील की है ऐसे अद्भुत कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाएं। जानकारी मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने दी।

पति ने पत्नि के सिर पर हथोड़ा मारकर कर दी हत्या

बैतूल। बैतूलबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम परतापुर में पति ने पत्नि के सिर पर हथोडे से हमला कर हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पति, पत्नि के चरित्र पर शक करता था और इसी बात को लेकर उनके बीच आए दिनों बीच विवाद होते रहते था। बैतूलबाजार थाना प्रभारी अंजना धुर्वे ने बताया कि ग्राम परतापुर क्षेत्र में रविवार रात को रूपा सरियाम (40) को पति कमलेश सरियाम ने सिर पर हथोडे से हमला कर हत्या कर दी। पति ने हत्या की वारदात को बच्चों के सामने अंजाम दिया। सूचना मिलने पर बैतूलबाजार पुलिस मौके पर पहुंची, जहां महिला का शव घर पर ही खून से लतपत पड़ा मिला। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद पति फरार हो गया था, पुलिस ने सोमवार दोपहर को फरार चल रहे आरोपी पति को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी पति शराब पीने का आदी है। पति द्वारा पत्नि के चरित्र पर शक करता था, जिसके कारण आए दिनों दोनों के बीच विवाद होते रहते थे। रविवार की रात को इसी बात को लेकर पति-पत्नि के बीच विवाद हो गया। शराबी पति ने पत्नि की निर्मम हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि जिस समय हत्या की घटना को अंजाम दिया उस समय बच्चे घर पर ही मौजूद थे। सोमवार दोपहर को जिला चिकित्सालय में मृतिका का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। हत्यारे पति के खिलाफ मामला दर्ज कर हत्या की घटना की जांच शुरू कर दी है। हिरासत में लिए पति से पुलिस पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने काम्बिंग गश्त अभियान के तहत 75 वारंटियों को किया गिरफ्तार

बैतूल। पुलिस द्वारा कांबिंग गश्त के दौरान 75 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल पुलिस द्वारा बैतूल पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के मार्गदर्शन में विशेष कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। 22 मार्च की दरमियानी रात बैतूल जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल ने सघन गश्त करते हुए प्रभावी कार्रवाई की। इस अभियान में सभी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं थाना प्रभारियों ने स्वयं अपनी उपस्थिति में पुलिस बल के साथ अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए त्वरित कार्रवाई की। स्थायी, फरारी एवं गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ के साथ ही गुंडा व निगरानी बदमाशों की सघन चेकिंग की गई। जिसमें लंबे समय से फरार 28 स्थायी वारंटी एवं 47 गिरफ्तारी वारंटी सहित कुल 75 वारंटी गिरफ्तार किये गये। जिसमें गौवंश अधिनियम, आर्म्स एक्ट, मारपीट, जुआ एक्ट, चोरी, वन अधिनियम, आबकारी, लूट एवं डकैती जैसे गंभीर अपराधों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मार्च 2025 में अब तक कुल 77 स्थायी वारंट एवं 491 गिरफ्तारी वारंट तामील किये गये है। 69 गुण्डा/निगरानी बदमाश एवं जिला बदर व्यक्तियों की चेकिंग की गई। कांबिंग गश्त अभियान के तहत बैतूल पुलिस अपराधियों पर लगातार शिकंजा कस रही है। थाना क्षेत्रों में गुंडा, निगरानी बदमाशों एवं जिला बदर अपराधियों की चेकिंग से अपराधों पर नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इस तरह के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे, ताकि असामाजिक तत्वों को क्षेत्र में अशांति फैलाने से रोका जा सके।

टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

बैतूल। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अतिक्रमण कर्ताओं और अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने खनिज अधिकारी को अवैध

खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों की सतत कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी और सभी एसडीएम को ओवरलोड डंपरों पर कार्रवाई किए जाने एवं डंपरों की बढ़ाई गई ऊंचाई को कटर मशीन से काटे जाने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री झारिया ने वन विभाग के अधिकारियों को वनों से सटे क्षेत्रों में सतत मॉनिटरिंग किए जाने की बात कही। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल एन झरिया, डीएफओ, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बीएमओ ने कहा, नहीं हुई डॉक्टर की पोस्टिंग तो दे देंगे पद से इस्तीफा

मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक भी नियमित डॉक्टर नहीं

बैतूल/मुलताई। मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जो मुलताई, आमला और पट्टन के स्वास्थ्य सुविधा का आधार माना जाता है, इसके अंतर्गत तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 32 उपकेंद्र आते हैं, उस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक भी परमानेंट डॉक्टर की पोस्टिंग नहीं है। वर्तमान में प्रभारी बीएमओ डॉ. पंचम सिंह गुरु, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टेड किया गया है। उन्होंने काम के दबाव के चलते अधिकारियों को कह दिया है कि अगर 27 मार्च तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में डॉक्टरों की नियुक्ति नहीं होती है, तो वह ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी पद से इस्तीफा दे देंगे। इस इस्तीफा की चर्चा के बाद क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर चिंताएं बढ़ गई है। बता दे कि हाल ही में मुलताई नगर में उल्टी दस्त और डायरिया जैसी महामारी में डॉ. पंचम ने दिन-रात परिश्रम करके इस विपरीत परिस्थितियों में नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई थी, किंतु बड़ा प्रश्न यह है कि जिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 12 डॉक्टर जिसमें 6 परमानेंट एवं 6 संविदा डॉक्टर होना चाहिए, वहां एकमात्र प्रभारी डॉक्टर नियुक्त है। इसके अलावा एक संविदा स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला डॉक्टर की पोस्टिंग है। इतने बड़े क्षेत्र को संभालना एक डॉक्टर के भरोसे बड़ी चुनौती है।

मुलताई के प्रभारी, सेहरा में पदस्थ है डॉ. पंचम- नगर में ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी का पद संभाल रहे डॉ. पंचम के संबंध में रोचक तथ्य यह भी है कि उनकी पोस्टिंग भी मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नहीं है। उनकी परमानेंट पोस्टिंग सेहरा में है, जहां से उन्हें मुलताई में पोस्टिंग की गई है। ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी होने के कारण उन्हें न सिर्फ मुलताई स्वास्थ्य केंद्र के इमरजेंसी मरीज एवं ओपीडी के मरीजों को देखना होता है, बल्कि इसके अलावा संपूर्ण क्षेत्र में सेवा की मॉनीटरिंग भी करनी होती है और मुलताई, सांईखेड़ा, बोरदेही की एमएलसी, पीएम शव परीक्षण भी करने होते हैं।

इनका कहना -

मुलताई स्वास्थ्य केंद्र में वर्तमान में एक भी नियमित डॉक्टर नहीं है। मेरी पोस्टिंग भी कहीं और की है। मुलताई में काम का दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है, यहां हर हालत में दो डॉक्टर चाहिए, अन्यथा मैं भी अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा।

-डॉ. पंचम सिंग गुरु, प्रभारी बीएमओ, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई

मैंने स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा की है। हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर डॉक्टर की पोस्टिंग के प्रयास कर रहा हूं, शीघ्र ही आवश्यकता अनुसार डॉक्टरों की पोस्टिंग होगी।

- चंद्रशेखर देशमुख, भाजपा विधायक मुलताई विधानसभा

भैंसदेही पुलिस ने बलात्कार के आरोपी को किया गिरफ्तार

बैतूल। भैंसदेही पुलिस ने बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया। फरियादिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 अक्टूबर 2024 की रात लगभग 11.30 बजे वह अपने घर के कमरे में अकेली सो रही थी। इसी दौरान उसके देवर विकाश उर्फ विक्की धुर्वे निवासी माथनी ने जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ

बलात्कार किया। आरोपी ने धमकी दी कि यदि उसने किसी को बताया तो वह उसके पति की जेल से जमानत नहीं होने देगा। आरोपी ने इस दौरान कई बार दुष्कर्म किया। जब फरियादिया का पति जमानत पर जेल से रिहा होकर घर आया, तो उसने पूरी घटना उसे बताई। इसके बाद फरियादिया ने 19 मार्च 2025 को थाना भैंसदेही पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत के आधार पर भैंसदेही थाने में धारा 376(2)(एन), 506 भारतीय न्याय संहिता में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश के लिए मुखबिर तैनात किए गए। सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी ग्राम माथनी में अपने खेत पर छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना भैंसदेही पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर ग्राम माथनी में दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार कर विधिवत न्यायालय में पेश किया। न्यायालय द्वारा आरोपी का जेल वारंट जारी कर उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भैंसदेही निरीक्षक नीरज पाल, उप निरीक्षक प्रीति पाटिल, उप निरीक्षक नितिन उईके, प्रधान आरक्षक संतोष, आरक्षक सुनील, आरक्षक सोनू एवं आरक्षक मनोज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ब्राह्मण जाति नहीं, अपितु संस्कार है : पंडित नरेंद्र शुक्ला

बैतूल। बैतूलबाजार के शुक्ला चौक पर स्थित राम मंदिर में सर्व ब्राह्मण समाज संगठन जिला बैतूल का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पं. कांतु दीक्षित, पं. केके पांडे, पं. विनोद मिश्रा, पं. रमेश मिश्रा, प्रोफेसर एसके शुक्ला , स्वदेश त्रिवेदी, गजानन व्यास, पं. पप्पन मिश्रा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बबला शुक्ला मौजूद थे, वही ब्राम्हण सम्माज महिला विंग से पूर्व बैतूल कृषि मंडी अध्यक्ष सरोज शुक्ला, अंजली मिश्रा, वंदना शुक्ला, प्रेरणा शर्मा एवं पंडित नरेंद्र शुक्ला जिलाअध्यक्ष के सानिध्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम मां सरस्वती, राम दरबार एवं भगवान परशुराम जी की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सभी अतिथियों सहित बडी संख्या में उपस्थित विप्र बंधुओं ने एक-दूसरे को तिलक, गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं प्रेषित की एवं बच्चों ने रंग-गुलाल उडाकर होली की मस्ती से सरोबार हुए। होली के फाग गीतों, मनमोहक कविताओं व पुराने दोहों के आयोजन से सभी उपस्थित लोगों को आनंदित किया। वहीं बडी संख्या में उपस्थित समाज की महिलाओं ने फूल होली, रंग-गुलाल से होली उत्सव मनाया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय भाषण में पंडित नरेंद्र शुक्ला ने स्वजातिय बंधुओ से समाज में भाईचारा बनाने एवं सभी वर्गों की एकता, शांति व देशप्रेम के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया।

1 अप्रैल से होगी मुलताई कृषि उपज मंडी ई-मंडी

उपज की सारी प्रक्रियाएं होंगी ऑनलाइन

बैतूल/ मुलताई। कृषि उपज मंडी 1 अप्रैल से ई-मंडी होने जा रही है। कृषि उपज मंडी मुलताई प्रशासन ने इसकी सारी आवश्यकता तैयारियां पूर्ण कर ली है। 1 अप्रैल के बाद से कृषि उपज मंडी मे उपज बेचने और खरीदने की सारी प्रक्रियाएं ऑनलाइन होगी। उक्त जानकारी देते हुए मंडी सचिव शीला खातरकर ने बताया कि किसानों को अपनी उपज का सही दाम समय सीमा में मिल सके इसके लिए मंडी प्रशासन सभी आवश्यक क्रांतिकारी कदम उठा रहा है। जिसके तहत 1 अप्रैल से मुलताई कृषि उपज मंडी ई मंडी हो जाएगी जिसमें सारी प्रक्रियाएं ऑनलाइन की जाएगी। कृषि मंडी प्रांगण में अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों को सर्वप्रथम ऑनलाइन प्रवेश पर्ची कटवानी होगी इसके बाद कृषि मंडी प्रांगण में आई उपज की पीओ एस मशीन के माध्यम से नीलामी की जाएगी। मंडी सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन की योजना अनुसार मंडी परिसर में आने वाले किसानों को सस्ते दामों पर भोजन मिल सके इसके प्रयास भी किया जा रहे हैं।

तुलावटियों को बनाना होगा ऑनलाइन आईडी- मंडी सचिव शीला खातरकर ने ई मंडी की जानकारी देते हुए बताया कि ई मंडी में उपज की तौल पर्ची भी ऑनलाइन ही लगाई जाएगी ।जिसके लिए तुलावतियों को भी ऑनलाइन आईडी बनाना होगा जो कृषकों की उपज का तौल कर उन्हें ऑनलाइन तौल पर्ची उपलब्ध कराएंगे जिसके आधार पर व्यापारी उपज का भुगतान कर सकेगे। व्यापारियों को 2 लाख से कम का भुगतान नगद एवं 2 लाख से अधिक का भुगतान समय सीमा में कृषकों के खाते में डालना अनिवार्य होगा ।

मातृ वंदना योजना के लंबित प्रकरणों को समय सीमा में करें निराकृत: कलेक्टर

कलेक्टर ने टीएल बैठक में केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं की विभागवार की समीक्षा

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को समय सीमा की बैठक में केन्द्र एवं राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की अति महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र हितग्राहियों को मिले यह सुनिश्चित किया जाए। सभी विभाग योजनाओं में लक्ष्य को हासिल करें और विभागीय वसूली में प्रगति लाए। इसके अलावा फार्मर रजिस्ट्री एवं आधार से खसरा लिंकिंग का कार्य भी शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती तृप्ति पटेरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार वर्चुअली बैठक में शामिल थे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रबी उपार्जन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम, नायब तहसीलदार को गेहूं पंजीयन सत्यापन किए जाने के निर्देश दिए। निर्धारित उपार्जन केंद्रों की ऑनलाइन एंट्री कराए। उपार्जन केंद्रों का भौतिक सत्यापन भी किया जाएं। उन्होंने कहा कि

सभी तहसीलदार पंजीयन का सत्यापन कराएं। बैठक में उन्होंने पेयजल व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को जिले में नल जल योजना, हैंडपंप की स्थिति, पेयजल गुणवत्ता की सतत मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मातृ वंदना योजना के 600 लंबित प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत किए जाने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत का करें निराकरण- बैठक में कलेक्टर सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिला अधिकारियों से शिकायत के निराकरण की पूरी प्रक्रिया को जाना और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि 50 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों के लिए 1 अप्रैल से वर्कशॉप लगाई जाए। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त लंबित आवेदनों को तत्काल निराकृत किए जाने के निर्देश। इसके अलावा उन्होंने जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए।

ई-ऑफिस प्रणाली शुरू करने के दिए निर्देश- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभागों में ई ऑफिस प्रणाली शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय में आज से ही ई-ऑफिस प्रणाली शुरू हो जाएगी। सभी विभाग ई-ऑफिस प्रणाली प्रारंभ कर पीडीएफ बनाकर सिस्टम पर अपलोड करें। इसके अलावा सभी आवश्यक कार्यवाही ई-ऑफिस के माध्यम से करें। सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत सीपीग्राम में दर्ज शिकायत का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि लोक सेवा गारंटी के प्रकरण लंबित न रहे यह सुनिश्चित करें।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत 219 ग्राम पंचायतों को किया पुरस्कृत

विश्व क्षय दिवस पर जेएच कॉलेज के ऑडिटोरियम में सम्मान समारोह का आयोजन

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को जेएच कॉलेज के ऑडिटोरियम में विश्व क्षय दिवस के अवसर पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान अंतर्गत 219 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा श्री मोहन नागर ने कहा कि आम व्यक्ति को प्रसन्न रहना चाहिए, क्योंकि स्वास्थ्य विभाग आपकी देखभाल के लिये तत्पर है। वर्तमान दिनों में प्रकृति का क्षय होने से अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न हो रहे हैं। प्रकृति में जैव विविधता होना अनिवार्य है, जैव विविधता जितनी कम होगी उतने रोग बढेगे। हमें प्रकृति से छेडछाड बंद करना होगा, ताकि स्वाभाविक रूप से प्रकृति जो हमें दे रही है, वो देती रहे और रोग उत्पन्न न हों। आज हम अप्राकृतिक पद्धतियों से अनाज उत्पादन से लेकर अधिकतम कार्य कर रहे हैं, जिससे रोग भी उत्पन्न हो रहे हैं, इसलिये रोगों के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

जिला क्षय अधिकारी डॉ आनंद मालवीय ने बताया कि विश्व में लगभग एक करोड लोग हर साल इस बीमारी से प्रभावित होते हैं। हमें टीबी के लिये जनजागृति फैलाना है। टीबी की बीमारी शरीर के हर अंग को प्रभावित करती है, लेकिन फेंफडों की टीबी सबसे आम है। नाखून, दांत एवं बाल के अलावा टीबी हर अंग को प्रभावित कर सकती है। जिले में टीबी के अलग-अलग प्रकार देखने को मिलते हैं। टीबी का उपचार पूर्णत-निःशुल्क है।

धार के कुणाल मकवाना ने नेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2024-25 में कांस्य पदक किया अपने नाम

जिले के पहले +45 वर्ग के खिलाड़ी जिनका भारतीय बेडमिंटन टीम में चयन

धार। जिले के नेशनल बेडमिंटन खिलाड़ी कुणाल मकवाना ने एक बार फिर धार का नाम रोशन किया हे। गोवा में आयोजित हुई नेशनल बैडमिटन चेम्पियनशिप मे कांस्य पदक जीतकर 45 + भारतीय टीम के चयन हुआ है। प्रतियोगिता गोवा के मापुसा स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों खिलाड़ियों ने अपना प्रदर्शन किया । धार के कुणाल मकवाना ने इस प्रतियोगिता मे सिंगल्स मेंस + 45 में कांस्य पदक जीत कर भारतीय बैडमिंटन टीम में जगह बनाई है।

कुणाल ने प्री क्वाटर फाइनल में महाराष्ट्र के सिद्धार्थ पाटिल को एक रोचक मुकाबले में 21-15, 21- 10 से मुकाबला जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया । मैच क्वार्टर फाइनल मैच में नागालैंड के एम जमीर से 21- 14 , 21- 17 से जीतकर सेमी फाइनल में अभिनश्याम गुप्ता (उत्तर प्रदेश) से एक संघर्ष पूर्ण मुकाबले में हार कर कांस्य पदक अपने नाम किया साथ ही मकवाना का चयन भारतीय टीम में किया गया।

धार के पहले इंडिया मास्टर बने मकवाना- कुणाल मकवाना धार के पहले +45 मास्टर इंडिया बने हैं। इसके पूर्व मकवाना ने एकलव्य अवॉर्ड भी प्राप्त किया है। भारतीय खेल प्राधिकरण मे प्रतिदिन प्रेक्टिस करते है। कुणाल मकवाना वर्तमान में भारतीय डाक विभाग में कार्यरत हो कर मुख्य डाकघर धार में पोस्ट मास्टर के पद पर पदस्थ है। इनकी इस उपलब्धि हेतु पोस्ट मास्टर जनरल प्रीति अग्रवाल, अधीक्षक डाकघर इंदौर मॉफसिल मंडल ओम प्रकाश चौहान एवं उपनिरीक्षक राकेश वर्मा ने बधाई दी। जिला बेडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप जोशी ,उपाध्यक्ष विनोद दोहरे , विनोद मित्तल, डॉ अजेश माइकल, गोपाल खंडेलवाल, राजकुमार चौहान ,प्रवीण शर्मा, नीलेश गोयल,विमल गर्ग , विवेक यादव, अर्पित मित्तल, डॉ सुदीप मित्तल,सुनील महतो, पंकज सोनी ,आर के , पराग भोसले तथा अन्य सदस्यों ने बधाई दी ।

1 अप्रैल को होगी भोपाल निगम परिषद की मीटिंग

स्वच्छ सर्वेक्षण के चलते हुई देरी ; ढाई हजार करोड़ का बजट भी पेश होगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग 1 अप्रैल को हो सकती है। स्वच्छ सर्वेक्षण की टीम भोपाल आने और बजट तैयार करने के चलते मीटिंग लेट हो रही है। इससे पहले एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) की मीटिंग होगी। हालांकि, एक बार महापौर मालती राय और सदस्यों के बीच कई विषयों पर मंथन हो चुका है। पहले मीटिंग 24 या 25 मार्च को प्रस्तावित थी, लेकिन अब यह 1 अप्रैल को प्रस्तावित की गई है। हालांकि, एजेंडा सामने नहीं आया है। जानकारी के अनुसार, अगले दो-तीन दिन में एजेंडा सामने आ सकता है। इसमें बैठक की तारीख पर बना संशय भी दूर हो सकता है। इसी बैठक में ढाई हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा का बजट पेश किया जाएगा।

बैठक नहीं होने पर कांग्रेस कर चुकी विरोध

निगम की बजट मीटिंग नहीं होने से कांग्रेस पार्षद विरोध में उतर आए हैं। इसे लेकर वे भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह से भी मुलाकात कर चुके हैं। निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि नियमानुसार मीटिंग हर 2 माह में होनी चाहिए, लेकिन 3 महीने बीत चुके हैं। बावजूद अब तक न तारीख तय हुई है और न ही एजेंडा सामने आया है।

उन्होंने बताया, इसे लेकर 17 फरवरी को भोपाल कमिश्नर सिंह को लेटर भी लिखा था। इसके बाद निगम कमिश्नर को मीटिंग के लिए जरूरी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन अब तक आदेश का पालन नहीं हो पाया। पिछले शुक्रवार को फिर कमिश्नर से मिले थे। पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा कि लगातार दूसरी बार मीटिंग देरी से होगी। जिससे शहर से जुड़े मुद्दों पर बात नहीं कर पा रहे हैं।

मंदिर में रो रही थी आर्थिक तंगी से त्रस्त महिला

मंत्री सारंग ने पूछा तो बोली-पति का काम-धंधा ठीक नहीं चल रहा, सारंग बोले-ये भाई तुम्हारी मदद करेगा

भोपाल (नप्र)। रविवार शाम मप्र के खेल मंत्री विश्वास सारंग अपने विधानसभा क्षेत्र नरेला के दौरे पर थे। वे खेड़ापति हनुमान मंदिर के दर्शन करने पहुंचे। दर्शन के बाद जैसे ही वे मंदिर से बाहर निकलने लगे, उसी दौरान एक महिला मंदिर की चौखट पर रोती दिखी।

मंत्री ने महिला के पास जाकर पूछा-बहन क्या बात हो गई बताओ? पहले तो महिला ने जवाब दिया-कुछ नहीं। मंत्री ने फिर पूछा कोई कष्ट है? क्यों रो रही है बहन? कहां रहती हो? महिला ने कहा- शिवनगर।

महिला बोली-पति का काम धंधा ठीक नहीं चल रहा- मंत्री सारंग ने महिला से कहा- क्या बात है यहां खेड़ापति भगवान के सामने क्यों रो रही हो? तो हम सब मिलकर तुम्हारी समस्या हल करेंगे। मंत्री के काफी देर पूछने के बाद महिला ने रुंधे हुए गले से कहा- घर में तंगी चल रही है। मंत्री ने पूछा

आपके पति क्या काम करते हैं? महिला ने बताया वेल्डिंग का काम करते हैं लेकिन, काम अच्छा नहीं चल रहा। मंत्री सारंग ने कहा, चिंता मत करो, पति देव को मेरे पास भेजना। उनके रोजगार की व्यवस्था करेंगे और आपकी मदद भी करेंगे। तुम्हारा भाई तुम्हारे साथ है। कितने बच्चे पढ़ते हैं, कोई दिक्कत तो नहीं?

महिला ने बताया कि दो बच्चे हैं लेकिन, उनकी फीस नहीं भर पा रही हूं। मंत्री ने फिर कहा आप पति देव को भेजना आपकी समस्याएं भाई हल कराएगा। चिंता नहीं करना। खेड़ापति सबके पालनहार हैं सबकी मदद करेंगे।

मां को रोते देख बच्ची हाथ जोड़े खड़ी दिखी- महिला जब मंत्री को अपनी परेशानी बता रही थी। उसी दौरान उसकी बेटी हाथ जोड़े खड़ी थी। ये देख मंत्री भी भावुक नजर आए। महिला की व्यथा सुनने के बाद मंत्री विश्वास सारंग ने उसे ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा, खेड़ापति हनुमान जी ने ही आपकी मदद के लिए मुझे भेजा है। मंत्री सारंग ने महिला को तत्काल आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ उसके पति को रोजगार उपलब्ध कराने और बच्चों की स्कूल फीस माफ करवाने का वादा किया। मंत्री के इस आश्वासन से महिला की चिंता कुछ कम हुई और उसने राहत की सांस ली।

जबलपुर- निजामुद्दीन एक्सप्रेस में जनरल कोच बढ़ाए

बढ़ती भीड़ के चलते रेलवे ने लिया फैसला, 9 स्लीपर कोच होंगे

भोपाल (नप्र)। लगातार ट्रेन में बढ़ती भीड़ को लेकर रेलवे ने जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12192/12191) में 2 स्लीपर कोच हटाकर जनरल कोच बढ़ाए हैं। अब इस ट्रेन में कुल चार जनरल कोच होंगे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस बदलाव के तहत ट्रेन से 2 स्लीपर कोच हटाए गए हैं और उनकी जगह 2 सामान्य श्रेणी (जनरल) के कोच जोड़े हैं।यह परिवर्तन गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस में 26 मई 2025 से और गाड़ी संख्या 12191 हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर एक्सप्रेस में 27 मई 2025 से प्रभावी होगा। यह ट्रेन भोपाल मंडल के बीना, गंजबासौदा विदिशा,भोपाल,रानी कमलापति,नर्मदापुरम स्टेशनों से होकर गुजरती है।अब कुल 24 कोच होंगे

4 सामान्य श्रेणी (जनरल) कोच
9 स्लीपर कोच
6 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (एसी 3 टियर) कोच
2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी (एसी 2 टियर) कोच
1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी (एसी 1 टियर) कोच

नगर पालिका बजट सत्र में कांग्रेस नेताओं के बीच हाथापाई

नीमच (नप्र)। नीमच नगर पालिका परिषद के बजट सत्र में सोमवार को जमकर हंगामा हो गया। पुरानी नगर पालिका स्थित

सभा कक्ष में बैठक के दौरान कांग्रेस पार्षदों के बीच हाथापाई हो गई।अन्य पार्षदों ने बीच बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। इधर, हंगामे के बीच सत्तारूढ़ भाजपा ने बहुमत के आधार पर बजट को सभी की सहमति से पारित कर दिया।विवाद की स्थिति तब बनी जब इंदिरा नगर की पार्षद सुमित्रा मुकेश पोरवाल ने अपने वार्ड में सड़क मंजूर होने पर बजट सत्र के दौरान ही नगर पालिका अध्यक्ष का स्वागत करना चाहा। इस पर नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि हम विपक्ष में हैं। हमें अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। स्वागत करना है तो बजट सत्र के बाद व्यक्तिगत रूप से कर लें। इस बीच कांग्रेस पार्षद हरगोविंद दीवान ने सुमित्रा पोरवाल का समर्थन करते हुए नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति से बहस करने लगे। कुछ देर में दोनों हाथापाई पर उतर आए।नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति का कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष ने हमारी एक महिला पार्षद से पूर्व नियोजित तरीके से स्वागत की योजना बना रखी थी। इस पर कांग्रेसी पार्षदों ने ऑब्जेक्शन लिया। उन्हें कहा कि परिषद में विपक्ष का काम करिए। आपके निजी रिश्ते घर जाकर निभाइए। विपक्ष को अपना काम करना है। प्रजापति ने कहा कि कांग्रेसी पार्षद बीजेपी से मिले हुए हैं। इस संबंध में अपने वरिष्ठ नेता जिला अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराऊंगा या तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें या फिर मैं इस्तीफा दे दूंगा।

सागर में बच्ची की मौत पर 9 घंटे से चक्काजाम

सागर (नप्र)। सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में डेढ़ साल की बच्ची की मौत के मामले में सोमवार को परिवार वालों ने चक्काजाम कर दिया। वे सागर-गढ़ाकोटा मार्ग पर स्थित सानौधा चौराहे पर पिछले 9 घंटे से शव रखकर बैठे हुए हैं। सूचना पर भीम आर्मी और अहिरवार महापंचायत के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। बच्ची की मौत के दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश देकर लोगों को शांत कराने की कोशिश कर रहे हैं।

इंदौर में बोले सीएम-अब जमाना खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे नवाब का

बीएसएफ की नेशनल पुलिस शूटिंग का शुभारंभ, शूटर्स से कहा-टाइम मिले तो 56 दुकान घूमने जाना

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मंगलवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। 6 दिन चलने वाले इवेंट में देशभर के 600 से अधिक निशानेबाज अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे।बीएसएफ के केंद्रीय आयुध और युद्ध कौशल स्कूल (सीएसडब्ल्यूटी) द्वारा आयोजित यह 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता 24 से 29 मार्च तक चलेगी। इस दौरान देशभर से आए पुलिस संगठनों के पुरुष और महिला निशानेबाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में कुल 17 स्पर्धाएं होंगी, जो रेवती रेंज में आयोजित की जाएंगी।

सीएम ने कहा कि इंदौर और मालवा का कई कारणों से अलग महत्व है। खाने-खिलाने और अतिथि सत्कार में मालवा की अलग ही पहचान है। मैं सभी प्रतिभागियों से निवेदन करता हूं कि समय मिले तो इंदौर घूम लीजिए। यहां के 56 दुकान में आपको अलग ही आनंद मिलेगा।

इस अवसर पर सीएम ने कहा कि अब जमाना खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे नवाब का है। जब हमारे खिलाड़ी काफी मुश्किलों से पुरस्कार जीत कर आते हैं तो पूरा देश झूम उठता है।सीएम ने कहा कि प्रदेश अब आर्थिक, औद्योगिक क्षेत्र के साथ ही खेलों के क्षेत्र में भी काफी आगे बढ़ रहा है। हाल ही में आयोजित नेशनल गेम में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 42 मेडल जीते हैं। राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश को

तीसरा स्थान मिला है। अब खेलकूद की राजधानी भी बन रहा है मध्यप्रदेश। सीएम ने कहा कि खेलों के लिए कोर्स का डिजाइन भी बदला गया है। अब खेल भी एक सब्जेक्ट है। सरकार ने तय किया है कि खिलाड़ियों के साथ ही प्रशिक्षकों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। उन्हें वाइस चांसलर के पद तक पदोन्नत किया जाएगा। सीमा सुरक्षा बल और इंदौर जिला प्रशासन मालवा क्षेत्र में निशानेबाजों की खोज करे। ऐसे निशानेबाजों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मालवा क्षेत्र से कई अंतर्राष्ट्रीय और अर्जुन अवार्डी खिलाड़ी भी निकले हैं। इस सिलसिले को बनाए रखना है। सीएम ने कहा निशानेबाजी का महत्व हर युग में रहा है। प्रधानमंत्री मोदी भी स्कूल व कॉलेज के जमाने में एनसीसी से जुड़कर निशानेबाजी में भाग लेते थे।

भविष्य निर्माण के लिए बच्चों में गीता संस्कार जरूरी

भोपाल। राष्ट्र के निर्माण और भारत की आने वाली पीढ़ी को संस्कारित करने के लिए श्रीमद् भगवत गीता के अनुसार संस्कार होना जरूरी है। भारत के समक्ष पाश्चात कुसंस्कृति की बड़ी चुनौती है। इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए अब हर घर में बाल संस्कारों के गीता के अनुसार सृजन करने की आवश्यकता है।

यह विचार सोमवार को गीता परिवार की मध्यांचल प्रमुख श्रीमती प्रमिला माहेश्वरी ने भोपाल में बाल संस्कारों पर आयोजित कार्यक्रम बल संस्कार वर्ग में व्यक्त किए। आयोजन पांच नंबर बस स्टॉप स्थित मां सिद्धेश्वरी दुर्गा माता मंदिर में संपन्न हुआ। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष और गीता परिवार के प्रमुख स्वामी गोविंद देवगिरी महाराज द्वारा भारतीय सनातन परिवारों में बाल संस्कारों की स्थापना और गीता से आम भारतीयों को जोड़ने के लिए विश्वव्यापी अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान के तहत आज की कार्यशाला आयोजित की गई थी । गीता परिवार देश में सभी सनातनी परिवारों में राष्ट्रभक्ति, देश प्रेम, सनातन परंपराओं के निर्माण और सनातन संस्कारों का पालन करवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यकर्ता तैयार कर रहा है । इस अभियान से न सिर्फ सनातन परिवारों में समृद्धि आएगी , बल्कि गीता के माध्यम से हमारा समाज पुनः जागरूक होगा । इससे बच्चों में संस्कार तो आएंगे ही उनके मेधा भी बढ़ेगी और स्मरण शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में सृजनशीलता बढ़ेगी। श्रीमती माहेश्वरी ने इस

अवसर पर कहा कि स्वामी जी ने पांच सूत्र भगवत भक्ति, भागवत गीता, भारत माता, विज्ञान दृष्टि एवं विवेकानंद का पर संपूर्ण विश्व में गीता परिवार के माध्यम से अलख जगाने का काम किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सारे विश्व के 180 देश के लगभग 15 लाख से अधिक गीता सेवी ऑनलाइन जुड़े हुए हैं और 15000 स्वयं सेवक दिन-रात निशुल्क सेवा दे रहे हैं । मध्य प्रदेश गीता परिवार भी इसी दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। मध्य प्रदेश गीता परिवार के श्री नरेंद्र व्यास , श्री कैलाश सोनी, डॉक्टर अपर्णा , श्रीमती निशा शर्मा सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए गीता सेवी कार्यशाला में शामिल हुए। इस एक दिवसीय कार्यशाला में 50 से अधिक कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में बाल संस्कार वर्ग के कार्य करने हेतु संकल्प के साथ प्रशिक्षण लिया।

संभव है टी.बी. का इलाज मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि टी.बी. अर्थात् क्षय रोग का इलाज संभव है। संतुलित आहार, संयमित जीवन शैली और नियमित योग तथा व्यायाम से इस गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है। टी.बी. से उबरने के लिए पीड़ितों की मदद करना, मानवता की सेवा है। विश्व तपेदिक (टी.बी.) दिवस सभी नागरिकों को क्षय रोग से बचाव के लिए सतर्क रहने और पीड़ित रोगियों की सहायता करने के प्रति जागरूक करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व तपेदिक (क्षय रोग) दिवस पर प्रदेशवासियों से क्षय रोग से सतर्क रहने, रोग से बचाव के संबंध में लोगों को जागरूक करने और पीड़ितों की सहायता का आह्वान किया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने कहा

केंद्र सरकार ने प्याज पर लगे 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को पूरी तरह से किया समाप्त

***किसानों को लाभकारी मूल्य देना, उचित दाम सुनिश्चित करना मोदी सरकार की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता**

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मोदी सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों को लाभकारी मूल्य देना, उचित दाम सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता और प्रतिबद्धता है। श्री चौहान ने आज बताया कि पहले प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क (एक्सपोर्ट ड्यूटी) लगती थी लेकिन जब प्याज के दाम गिरने लगे और किसानों को कम कीमत मिलने लगी तब सरकार ने फैसला किया कि प्याज के निर्यात पर निर्यात शुल्क (एक्सपोर्ट ड्यूटी) 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दी जाए। आज सरकार ने यह निर्णय लिया है कि 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी भी पूरी तरह से हटा दी जाए। अब प्याज के निर्यात पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी ताकि हमारे किसानों द्वारा मेहनत से उगाया गया प्याज बिना किसी शुल्क के वैश्विक बाजारों तक पहुंचे और उन्हें बेहतर कीमत और लाभकारी मूल्य मिल सके।

बुरहानपुर में भवन निर्माण के लिए की गई खुदाई में मिला प्राचीन कमरा और सुरंग

बुरहानपुर (नप्र)। शहर के राजपुरा क्षेत्र में भवन निर्माण के लिए की गई खुदाई में प्राचीन कमरा और सुरंग मिली है। स्थानीय लोग इसे मुगलकालीन संरचना मान रहे हैं। हालांकि भूमि स्वामी आनंद भगत का कहना है कि यह करीब सौ साल पुराना अनाज संग्रहण कक्ष है, कोई पुरातन धरोहर नहीं है। भूमि स्वामी द्वारा इस संरचना को बुलडोजर से ढहाया जा रहा है। दोपहर तक पुरातत्व विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था। बताया गया है कि उन्होंने राजपुरा क्षेत्र में एक पुराना मकान खरीदा था। उसे तोड़ कर नए सिरे से भवन निर्माण की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान यह कमरा निकल आया। वार्ड पार्षद अजय बालापुरकर का कहना है कि यह पुरातात्विक धरोहर है। इसकी खुदाई में और कई रहस्य सामने आ सकते हैं। खासतौर पर यह जानना रोचक होगा कि आखिर नजर आ रही सुरंग कहां-कहां जाती है।

पहले भी सामने आई संरचनाएंइन्न- शहर के कई क्षेत्रों में इससे पहले भी इस तरह की कई संरचनाएं सामने आ चुकी हैं। बीते साल आजाद नगर क्षेत्र में सड़क के किनारे की गई खुदाई में इसी तरह का एक कक्ष पाया गया था। उसकी दीवारें अब भी काफी मजबूत थीं। बाद में उसे मिट्टी से बंद कर दिया गया था। पुरात्वविद कमरुद्दीन फलक के अनुसार मुगल शासन काल में जमीन के अंदर कई कक्ष बनाए जाते थे। इसलिए जमीन के अंदर इस तरह की संरचनाएं मिलना आम बात है।

बीजेपी विधायक चिंतामणि मालवीय को नोटिस लोकतंत्र की हत्या का संकेत : जीतू पटवारी

भोपाल। भाजपा सरकार के तानाशाही रवैये के खिलाफ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधायक चिंतामणि मालवीय को कारण बताओ नोटिस जारी करना यह साबित करता है कि बीजेपी में सच बोलना अपराध बन चुका है। यह दलित विरोधी मानसिकता का परिचायक है और लोकतंत्र के लिए घातक है।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा द्वारा मालवीय को नोटिस इसलिए दिया गया क्योंकि उन्होंने लोकतंत्र के प्रति निष्ठा और अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के नाम पर किसानों की जमीन अस्थायी अधिग्रहण के बहाने स्थायी रूप से हड़पने की साजिश रची जा रही है। सिंहस्थ आस्था का केंद्र है, लेकिन सरकार और माफियाओं द्वारा किसानों की जमीन छीनना अन्यायपूर्ण है। यह बीजेपी की साजिश है, जो सच बोलेगा, उसे डराया, धमकाया और कुचला जाएगा। इस समय भू-माफिया सरकार के सिर चढ़कर बोल रहा है।

श्री पटवारी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने जनता के हक की लड़ाई लड़ी, लेकिन बीजेपी ने यह दिखा दिया कि जो सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहे भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आवाज उठाएगा, उसका सिर कुचल दिया जाएगा, भले ही वह सत्तापक्ष का जनप्रतिनिधि ही क्यों न हो। भाजपा द्वारा बरती गई यह कार्रवाई यह भी दर्शाती है कि बीजेपी में लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए कोई स्थान नहीं बचा है और पार्टी पूरी तरह से दमनकारी नीतियों पर चल रही है।श्री पटवारी ने कहा कि हम चिंतामणि मालवीय के साथ खड़े हैं, क्योंकि उन्होंने जनता की आवाज को बुलंद किया है। किसानों और दलितों का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ हर मंच पर आवाज उठाएगी।

श्री पटवारी ने कहा कि मालवीय के साथ हुये इस कृत्य ने साबित कर दिया है कि यह घटना बीजेपी के असली चरित्र को उजागर करती है और यह स्पष्ट संकेत है कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। कांग्रेस पार्टी भाजपा की इस तरह की तानाशाही और दमनकारी नीतियों का डटकर विरोध करेगी और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

श्री पटवारी ने कहा कि सौरभ शर्मा कांड को लेकर जांच नहीं हो रही हैं। मामला 20 हजार करोड़ का है लेकिन। डायरी सामने नहीं आ रही। लोकायुक्त का तबादला होना, डीडी, का तबादला होना, आईटी का आना और कोई कार्यवाही नहीं करना, यह साबित करता है कि मामले को दबाया जा रहा है।

सहकारिता विभाग के चुनाव नहीं होंगे, यह जनता द्वारा निर्मित संस्था और लोकतंत्र की हत्या हैं, सरकार अनाधिकृत रूप से सहकारिता पर कब्जा कर रही है। कांग्रेस पार्टी भाजपा की इस लोकतंत्र विरोधी सोच के खिलाफ है। सरकार सहकारिता के चुनाव कराये। कांग्रेस इस मामले को लेकर कोर्ट जायेगी।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल भोपाल में विभिन्न पद/कार्य हेतु अस्थाई कुशल/अकुशल कर्मचारी की नियुक्ति(सिर्फ अस्थाई)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

:: विज्ञप्ति ::

इस ग्रुप केन्द्र कैम्प परिसर के आवासीय व गैर-आवासीय भवनों के दिन-प्रतिदिन के रखरखाव का निष्पादन करने हेतु कुल-17 श्रमिक एवं कचरा संग्रह हेतु एक वाहन (ट्रैक्टर के साथ ट्रॉली एवं ड्राईवर तथा हेल्पर सहित) कुशल/अकुशल श्रमिक की नियुक्ति अस्थाई तौर पर किया जाना है।

भर्ती होने वाले अस्थाई कुशल/अकुशल श्रमिक को अधिकतम 89 दिनों के लिए भर्ती किया जायेगा तथा उनका दैनिक वेतन, केन्द्र सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश संख्या-F.No.1/7(1)/2024-LS-II) Dated 01/04/2024 एवं श्रमायुक्त कार्यालय, मध्यप्रदेश शासन, इन्दौर के पत्र कमांक-6/11/अन्वे/पॉच/2024/29501-750, इन्दौर, दिनांक 30/09/2024 में निहित आदेश के अनुसूची-क में ट्रेड के आधार पर दैनिक वेतन निर्धारित किया गया है के अनुसार भुगतान किया जायेगा जो कि मासिक तौर पर देय होगा। रिक्त/भर्ती किये जाने वाले पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

क0 सं0	कार्य/पद का नाम	अभ्युक्ति (Wages Head)	अभ्युक्ति (for FLM Head)	अभ्युक्ति (मदिरा सब कैन्टीन लाभांश से तथा हिरामन गैस एजेंसी लाभांश से)
01	इलेक्ट्रीशियन(कुशल)	03	–	–
02	प्लम्बर (कुशल)	01	–	–
03	मेसन(कुशल)	01	–	–
04	सफाई कर्मचारी (अकुशल)	–	10	–
05	एक कचरा संग्रह हेतु वाहन (ट्रैक्टर साथ में ट्रॉली एवं ड्राईवर तथा हेल्पर सहित)	–	01	–
06	हिरामन गैस एजेंसी से गैस सिलेण्डर आवासीय भवनों में पहुंचाने हेतु (अकुशल)	–	–	01
07	मदिरा सब कैन्टीन में टैली साफ्टवेयर तथा अन्य कार्यालय संबंधित कार्यों को करने हेतु सिविल लिपिक (कुशल)	–	–	01
	कुल	05	10 एवं 01 कचरा संग्रह वाहन	02

इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन उप महानिरीक्षक/संपदाधिकारी, ग्रुप केन्द्र, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, बंगरसिया, भोपाल (म0प्र0) के नाम पर लिखना होगा, जिसे ग्रुप केन्द्र के पराकम द्वार गेट नम्बर 02 से निम्न दस्तावेजों के साथ दिनांक 26/03/2025 सुबह 10:00 बजे मैन्स क्लब में रिपोर्ट करेंगे।

(सभी व्यक्तियों को कोविड-19 से बचाव हेतु भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।)

संलग्न किये जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों का विवरण :-

1) आवेदन पत्र।
2) आधार कार्ड की छायाप्रति।
3) कोई एक अन्य आई0डी0(पहचान पत्र)।
4) 02 नग पासपोर्टसाईज फोटोग्राफ।
5) इलेक्ट्रिशियन एवं पलम्बर हेतु आई0टी0आई0 व समतुल्य प्रमाणपत्र।
6) बचनबद्धता प्रमाण पत्र।
7) बैंक खाता का छायाप्रति।

॥ मंदिरम् ॥

65

कृष्णाबाई मंदिर, महाबलेश्वर

महाबलेश्वर बस स्टैंड से 6 किमी की दूरी पर, कृष्णाबाई मंदिर एक पुराना मंदिर है जो पुराने महाबलेश्वर में पंच गंगा मंदिर से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। यह महाबलेश्वर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। कृष्णाबाई मंदिर को कृष्णा नदी का स्रोत माना जाता है। मंदिर का निर्माण 1888 में रत्नागिरी के एक शासक ने कृष्णा घाटी के ऊपर एक पहाड़ी की चोटी पर करवाया था। मंदिर में एक शिवलिंग और देवी कृष्ण की एक सुंदर मूर्ति है। गाय के चेहरे (गोमुख) से बहने वाली नदी की एक छोटी सी धारा एक कुंड या पानी की टंकी में गिरती है जो शक्तिशाली कृष्णा नदी का स्रोत है। पत्थर की नक्काशीदार स्तंभ और छत इस मंदिर की विशेष विशेषताएं हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

सम्राट विक्रमादित्य के धर्म ध्वज और पुस्तिका 'भारत का नववर्ष-विक्रम संवत्' का किया विमोचन

30 मार्च को गुड़ी पड़वा का पर्व सम्पूर्ण प्रदेश में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले विक्रमादित्य ध्वज और पुस्तिका 'भारत का नव वर्ष विक्रम संवत्' का विमोचन कर अपने संबोधन में कहा कि संपूर्ण प्रदेश में 30 मार्च को गुड़ी पड़वा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, मंत्रीगण गुड़ी पड़वा पर उनके जिलों में होने वाले कार्यक्रमों में सहभागिता करें। विक्रम महोत्सव के अंतर्गत नई दिल्ली में 12-13-14 अप्रैल को विशेष आयोजन होने जा रहे हैं, जिसमें सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाट्य की प्रस्तुति भी होगी। सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और शासन व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित महान महानाट्य की प्रस्तुति प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी की जाएगी। इसके साथ ही सेक्टर वार होने वाली इन्वेस्टर्स समिट तथा अन्य बड़े आयोजनों के अवसर पर भी सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाट्य की प्रस्तुति की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विमोचित पुस्तिका 'भारत का नव वर्ष विक्रम संवत' के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पुस्तिका में विक्रम संवत, काल गणना की पद्धति, प्राचीन यंत्रों, वैदिक घड़ी आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम संवत के अंतर्गत तिथियों की महत्ता, पर्व और त्योहारों के निर्धारण तथा काल गणना पद्धति पर प्रकाश डाला।

संभागवार औद्योगिक इकाइयों के भूमि-पूजन का क्रम जारी रहेगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेश प्रस्तावों को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए गतिविधियां जारी हैं। इस क्रम में 21 मार्च को ग्वालियर क्षेत्र में 18 औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन किया गया। जिनमें 11 मुरैना, सात ग्वालियर और एक इकाई का भिंड में भूमि-पूजन संपन्न हुआ। इस क्रम में कल उज्जैन संभाग की 25 इकाइयों का भूमि-पूजन होने जा रहा है, जिसमें उज्जैन की 13 और संभाग के अन्य स्थानों की 12 इकाइयां शामिल हैं। संभागवार यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

614 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में होगी प्रदेश की 26वीं ओंकारेश्वर वाइल्ड लाइफ सैंच्युरी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण तथा वन्य जीव संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में प्रदेश में दो अभयारण को मूर्त रूप देने के बाद राज्य सरकार वाइल्ड लाइफ सैंक्चूयरी विकसित करने की ओर अग्रसर है। इसके अंतर्गत ओंकारेश्वर में 614 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में प्रदेश की 26वीं वाइल्ड लाइफ सैंक्चूयरी विकसित की जा रही है। इस संपूर्ण क्षेत्र में कोई गांव अथवा बसाहट नहीं है। भविष्य में इसे टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित किया जाएगा।

सार्वजनिक स्थलों पर हो प्याऊ की व्यवस्था- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रीष्म काल के चलते ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता की स्थिति की निरंतर समीक्षा कर आवश्यकतानुसार त्वरित रूप से उपयुक्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ के साथ-साथ पशुओं के लिए भी पीने के पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कूंए, बावड़ियों, तालाबों व अन्य जल स्रोतों के बेहतर रखरखाव और जल गंगा अभियान में जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिवस ओलावृष्टि से 400 से अधिक गांवों में फसल नुकसान की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, फसल नुकसानी का सर्वे कर शीघ्र आपदा राहत प्रदान की जाए।

सीएम जन्मदिन पर उज्जैन में देंगे उद्योगों की सौगात

उज्जैन (नप्र)। सीएम मोहन यादव 25 मार्च मंगलवार को अपना 60वां जन्मदिन मनाएंगे। इस दौरान वे उज्जैन को 26 उद्योगों की सौगात देंगे। सीएम डॉ. यादव 22 उद्योगों का भूमिपूजन और 4 का लोकार्पण करेंगे, जिससे करीब एक हजार करोड़ का निवेश और पांच हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। सीएम यादव के जन्मदिन पर शहर में कई जगह उनका नागरिक अभिनन्दन किया जाएगा।

एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 60वें जन्मदिन के अवसर पर, 25 मार्च को उज्जैन में 26 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन और लोकार्पण शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर दोपहर दो बजे होगा। इनमें से चार इंडस्ट्री का लोकार्पण और 22 नए उद्योगों की आधारशिला रखी जाएगी। इन सभी परियोजनाओं में कुल 957.98 करोड़ का निवेश होगा, जिससे लगभग 4796 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इन परियोजनाओं के माध्यम से उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे

गेहूं खरीदी केंद्रों पर न छांव,न पीने का पानी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करीब 60 केंद्रों पर सरकारी गेहूं की खरीदी चल रही है। इनमें से कई सेंटर ऐसे हैं, जहां न तो छांव की व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की। इस कारण किसान परेशान हो रहे हैं। सोमवार को खरीदी केंद्रों पर पहुंचे जिला पंचायत सदस्य विनय मेहर को कई खामियां देखने को मिली। उन्होंने मौके पर ही अफसर से बात की और समस्या दूर करने को कहा।

जिप सदस्य मेहर बैरसिया क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक खरीदी केंद्रों पर पहुंचे। उन्होंने तुलाई व्यवस्था देखी और वेयर हाउस संचालकों से बात की। गजानन वेयर हाउस में कई किसान धूप में ही खड़े थे। उनके लिए पानी की व्यवस्था भी नहीं थी। इस पर मेहर ने जिला आपूर्ति अधिकारी अजीत कुजूर से मोबाइल पर बात की और तुरंत व्यवस्था करने को कहा।

टेंट लगाने-मटके रखने को कहा- सदस्य मेहर अभिलाषा वेयर हाउस पर भी पहुंचे। यहां भी पानी और बैठने की कोई व्यवस्था नहीं थी। यहां पर मंगलवार को ही छाया के लिए टेंट लगाने और पीने के पानी के लिए मटके रखने को कहा है। ताकि किसानों को राहत मिल सके।

विभाग देगा नोटिस- सदस्य मेहर ने बताया, जिला आपूर्ति अधिकारी कुजूर ने भी कुछ वेयर हाउस और खरीदी केंद्रों को नोटिस देने की बात कही है। एक-दो दिन में व्यवस्था ठीक हो जाएगी।

कूनो से बाहर निकले 5 चीते...

बछड़े पर किया हमला तो ग्रामीणों ने मारे पत्थर-लाठी, बोले सामने नहीं मारने देंगे

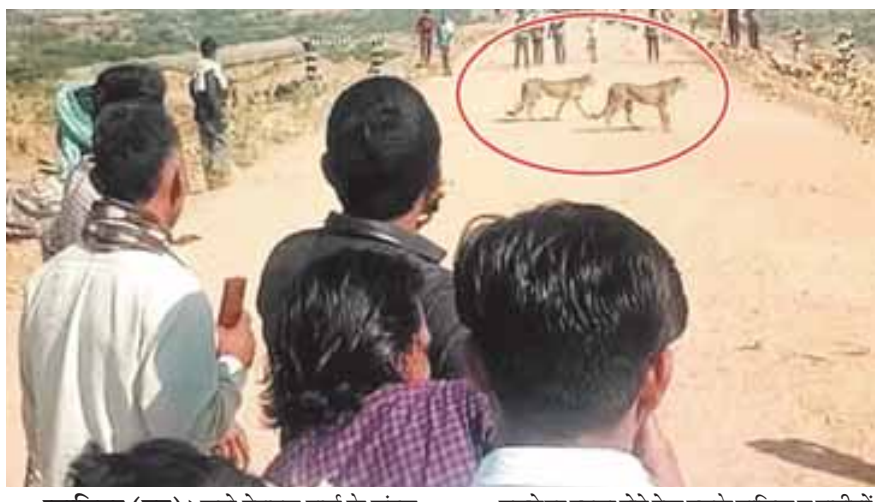

ग्वालियर (नप्र)। कूनो नेशनल पार्क के जंगल की सीमा से निकलकर श्योपुर की विजयपुर तहसील के भैरोपुरा गांव में मादा चीता ज्वाला व चार शावकों का ग्रामीणों से आमना-सामना हो गया। यहां एक बछड़े पर मादा चीता ज्वाला ने हमला कर दिया, तो शावकों ने भी घेराबंदी शुरू कर दी।

बछड़े पर हमला होते देख उसके मालिक व ग्रामीणों ने चीतों पर पत्थर मारना शुरू कर दिया। लाठी से भी भगाने का प्रयास किया। पास खड़ी कूनो की टीम ने ग्रामीणों को समझाया कि बछड़े का मुआवजा मिल जाता है, चीतों पर हमला न किया जाए। इस पर बछड़े के मालिक ने कहा कि हमारे सामने हमारे मवेशियों को मरता हुआ नहीं देख सकते हैं, ऐसा होगा तो हम तो हमला करेंगे।

पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे- बता दें कि एक महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावक शनिवार शाम को पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे। ये चीते रविवार को दोपहर बाद फिर कूनो के जंगल की ओर लौट गए थे।

सामने बछड़ा आ गया था- रविवार रात को ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम भैरोपुरा के पास देखे गए। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्राडगेज रेल ट्रैक से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर थे। सोमवार सुबह मादा चीता ज्वाला के सामने बछड़ा आ गया, तो उसने शिकार की नीयत से हमला कर दिया। लेकिन ग्रामीणों के पत्थर मारने से चीते पीछे हट गए। लाठी डंडे लेकर चिल्लाते हुए ग्रामीणों को देख चीते डर गए। मादा चीता काफी देर तक बछड़े का गला पकड़े रही, लेकिन फिर छोड़ दिया।

15 लोगों का दल कर रहा ज्वाला व शावकों की निगरानी- मादा चीता ज्वाला व शावकों की निगरानी में 15 लोगों का दल निगरानी कर रहा है, जब सोमवार सुबह यह घटना हुई तो एक दल पीछे रह गया था और एक वहीं चीतों के आसपास ही मौजूद था। ग्रामीणों से दल ने बात की और समझाने का प्रयास किया कि आगे से ऐसा न करें।

रेलवे ट्रैक पर मिली प्रेमी जोड़े की लाश

कटनी (नप्र)। कुठला थाना क्षेत्र के कटनी- सतना रेलखंड के नयागांव के पास सोमवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर युवक-युवती के शव पड़े मिले। रेलवे कर्मचारियों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा। युवक-युवती पुरैनी के रहने वाले बताए गए हैं। दोनों साहू समाज के हैं और प्रेमी युगल बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह कटनी- सतना रेलखंड के नयागांव के पास रेलवे ट्रैक पर रेलवे कर्मचारी ने एक युवक व युवती का शव पटरी पर पड़ा देखा। जिसकी सूचना कुठला पुलिस को दी गई।

रेलवे ट्रैक के पास लगी भीड़- घटना की जानकारी लगते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लिए और उनकी आसपास के लोगों से पहचान कराई। जिसमें युवक की पहचान मुकेश साहू पिता रामप्रसाद साहू 25 साल निवासी पुरैनी और युवती की पहचान मालती साहू पिता गणेश साहू 24 साल के रूप में हुई।

पहली पत्नी की हो गई थी मौत- बताया जाता है कि मुकेश की शादी पहले टिकुरिया गांव में हुई थी और उसकी पहली पत्नी की कुछ समय पहले मौत हो गई थी। जिसके बाद उसका युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, लेकिन परिवार के लोग दोनों के संबंध को लेकर राजी नहीं थे।

सीएम नई दिल्ली में डायमंड स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित

जड़ों से जुड़े रहकर ही विकास पथ पर बढ़ा जा सकता है आगे

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत सवा वर्ष में मध्यप्रदेश सरकार ने विरासत को साथ लेकर विकास के नए आयाम स्थापित किये हैं, जिससे उन्हें संतोष है। प्रदेश सरकार गरीब, युवा, महिला और किसान कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। इंदौर की हुकुमचंद मिल के श्रमिकों का कई वर्षों से लंबित भुगतान जहां एक ओर पूरा कर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर राज्यों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों के आधार पर 20 वर्ष पुरानी पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना भी मूर्त रूप ले रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में साढ़े आठ लाख आवास और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 36 लाख आवास में गृह प्रवेश करवाया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जड़ों से जुड़े रहकर ही विकास पथ पर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने ये विचार रविवार को दिल्ली में एक निजी समाचार चैनल द्वारा आयोजित 'डायमंड स्टेट्स समिट' कार्यक्रम में व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2000 वर्ष पूर्व सम्राट विक्रमादित्य ने वीरता, न्यायप्रियता और दानशीलता से शासन की व्यस्थाओं का संचालन किया और विदेशी आक्रांताओं से स्वतंत्रता दिलाकर सुशासन स्थापित किया, जो प्रदेश की गौरवशाली विरासत है। विक्रम संवत का प्रवर्तन इसी गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने राज्य में जनता का कर्ज माफ किया और बिना ब्याज का धन जनता को उपलब्ध कराया। उनके पुरुषार्थ के विभिन्न आयामों का उत्सव मनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार आगामी 12 से 14 अप्रैल तक दिल्ली में विक्रमादित्य महानाट्य का आयोजन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन महाकाल और काल की नगरी है। यहां पृथ्वी 23.6 अंश पर झुकी हुई है जो इसे कालगणना के लिए सर्वोत्तम स्थल बनाती है। उज्जैन को विश्व का मीन टाइम बनाने के उद्देश्य से यहां वैदिक घड़ी की स्थापना की गई है, जो भारतीय ज्ञान की गौरवशाली परंपरा को पुर्नस्थापित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीवन के उच्च आदर्शों और नैतिकता को जीवन शैली में सम्मिलित करने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। महर्षि सांदीपनि के आश्रम को तीर्थ के रूप में विकसित कर नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण से जोड़कर आदर्श गोकुल ग्राम बनाए जा रहे हैं, जिसके माध्यम से देश के दुग्ध उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है।

सीएम ने किया ब्रम्हध्वज व नववर्ष विक्रम सम्वत् पुस्तिका का विमोचन

भोपाल। 'महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ' द्वारा विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, विक्रम सम्वत् 2082 के प्रारंभ दिवस 30 मार्च 2025 के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्रिपरिषद ने ब्रम्हध्वज एवं भारत का नववर्ष विक्रम सम्वत् पुस्तिका का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रम्हध्वज की जानकारी देते हुए बताया कि सृष्टिकर्ता महाकाल की प्रेरणा से ब्रह्मदेव ने सृष्टि का निर्माण किया। 1955885126 वर्ष पूर्व से प्रवर्तित सृष्टियाब्द के आरम्भ से ही कोटि सूर्य को महिमा प्रदान की गयी है। यह ब्रह्मध्वज वर्षों पूर्व परम्परा से श्रीमहाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन के शिखर पर समय-समय पर स्थापित रहा है। मुख्यमंत्री ने विमोचित पुस्तिका 'भारत का नववर्ष विक्रम सम्वत्' के संबंध में बताया कि पुस्तिका में विक्रम सम्वत्, काल गणना की पद्धति, प्राचीन यंत्रों, वैदिक घड़ी आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण प्रदेश में 30 मार्च को गुड़ी पड़वा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा, मंत्रीगण गुड़ी पड़वा पर उनके जिलों में होने वाले कार्यक्रमों में सहभागिता करें। मुख्यमंत्री ने विक्रम सम्वत् के अंतर्गत तिथियों की महत्ता, पर्व और त्योहारों के निर्धारण तथा काल गणना पद्धति पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि विक्रमोत्सव अंतर्गत नई दिल्ली में 12 से 14 अप्रैल 2025 की तिथियों में विशेष आयोजन होने जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाटय की प्रस्तुति भी होगी। सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और शासन व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित महान महानाटय की प्रस्तुति प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी होगी। इसके साथ ही सेक्टर वार होने वाली इन्वेस्टर्स समिट तथा अन्य बड़े आयोजनों के अवसर पर भी सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित महानाटय की प्रस्तुति की जाए।

मप्र हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

हिंदू विवाह अधिनियम के तहत ही निपटाए जाएंगे जैन समाज के वैवाहिक विवाद

जबलपुर (नप्र)। जैन समाज के वैवाहिक विवादों का निराकरण हिंदू विवाह अधिनियम के तहत ही होगा। कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश को लगता था कि जैन समाज के वैवाहिक विवादों को हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निराकृत नहीं किया जा सकता है तो उन्हें इस संबंध में हाई कोर्ट से सलाह लेना थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस टिप्पणी के साथ मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने कुटुंब न्यायालय के फैसले को निरस्त कर दिया। कुटुंब न्यायालय ने जैन दंपती के आपसी सहमति से तलाक के मामले को यह कहते हुए निरस्त कर दिया था कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2014 में जैन धर्मावलंबियों को अल्पसंख्यक घोषित कर दिया है इसलिए उनके मामले हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निराकृत नहीं किए जा सकते।

सांसद की उपेक्षा या नदारद, सुर्खियों में फेरबदल

प्रदेश के एक सांसद महोदय इन दोनों संसदीय क्षेत्र से गायब है या कहें कि उन्हें स्थानीय विधायको की ओर से सहयोग नहीं मिल रहा हैं। सूत्र बताते हैं कि उक्त सांसद महोदय केवल दो ही विधानसभा क्षेत्र में अपना ज्यादा समय दे रहे हैं। क्योंकि वहां के स्थानीय विधायक सांसद को महत्व देते रहे हैं जबकि उनकी संसदीय क्षेत्र में शामिल कई विधानसभा क्षेत्रों में सांसद महोदय को विधायकगण पूछ भी नहीं रहे हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल ही में प्रदेश भाजपा ने एक बड़ा कार्यक्रम कर बिहार दिवस मनाया, लेकिन सांसद महोदय इस कार्यक्रम में भी नहीं पहुंचे। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सांसद महोदय के क्षेत्र में बिहारियों की खासी संख्या मतदाताओं है लेकिन पार्टी के कार्यक्रम में सांसद महोदय का गायब रहना चर्चा का विषय रहा।

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

निगम मंडलों में भी नियुक्ति की तैयारी

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के साथ साथ निगम मंडल अध्यक्षों को लेकर जोर आजमाइश शुरू हो गई है। इसके लिए नेताओं की दौड़ दिल्ली तक हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष का चयन होने के साथ ही यादव सरकार जल्द ही निगम मंडलों में राजनीतिक नियुक्ति करेगी। सूत्रों का कहना है कि निगम मंडलों में नियुक्ति को भी दिल्ली से जल्द हरी झंडी मिल जाएगी। ज्यादातर निगम-मंडल में विभागीय मंत्री को अध्यक्ष है या विभागीय प्रशासनिक प्रमुख।

आमद से पहले परिवर्तन की तैयारी

राज्य सरकार ने बजट सत्र के बीच आईपीएस अधिकारियों का फेरबदल किया हैं। इस फेरबदल से एक आईपीएस अधिकारी अपनी नई पदस्थापना को लेकर चिंतित हैं। सरकार ने आईपीएस अफसर को ऐसे क्षेत्र में भेजा है जहां राजनीति ज्यादा हावी होती है और अधिकारी को राजनीतिक आकाओं के मनमाकिफ चलना होता है लेकिन आईपीएस अधिकारी की छवि इसके विपरीत है और वह नियम कायदों के सख्त है। इस वजह से स्थानीय राजनीतिक आकाओं से पटरी ना बैठ पाने चिंता है। आईपीएस अपनी पदस्थापना में परिवर्तन के लिए भी प्रयासरत है।

आईपीएस के फेरबदल की चर्चा

सीनियर आईपीएस अधिकारियों के फेरबदल में सबसे ज्यादा चर्चा एक आईपीएस अधिकारी की हो रही है। आईपीएस अधिकारी की नयी पदस्थापना को लेकर मंत्रालय से लेकर पीएचक्यू तक में कयास लगाए जा रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि आईपीएस अधिकारी को एक चर्चित छापे के बाद से ही हटाए जाने के संकेत मिल गए थे लेकिन बजट सत्र के बीच विपक्ष के हंगामा को देखते हुए सरकार ने सत्र के दौरान ही हटा दिया। चर्चा है कि अधिकारी की छापे के दौरान संदिग्ध कार्य प्रणाली रही है। जिस कर से सोने के बिस्कुट और करोड़ों रुपए बरामद हुए उस कार के मूवमेंट को लेकर अधिकारी को पूरी जानकारी थी। कार को चला कौन रहा था ? कार चालक को क्या जांच एजेंसी आज तक तलाश नहीं कर पाई? सूत्रों का यह भी कहना है कि कार चालक का अधिकारी से करीबी संबंध है।

कब होगी सचिव की पोस्टिंग

गृह विभाग के सचिव का पद करीब एक माह से नई पदस्थापना की बाट जोह रहा है। पूर्व सचिव ओपी श्रीवास्तव फरवरी माह में सेवानिवृत हो गये है। उसके बाद से विभाग में राज्य सरकार नए सचिव की पोस्टिंग नहीं कर सकी है जबकि इस दौरान राज्य विधान सभा का बजट सत्र भी संपन्न हो गया और विपक्ष ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया है। ऐसे में क्या जल्द ही सचिव की तैनाती सरकार कर पाएगी।

फर्नीचर पर लाखों फूंके

राज्य सरकार के एक विभागाध्यक्ष कार्यालय में फर्नीचर और साज सज्जा पर लाखों रुपए बहाए जा रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि तीसरे तल से भूतल पर शिफ्ट हुए कार्यालय में इन दिनों महंगे फर्नीचर और साज सज्जा का काम चल रहा ह। कार्यालय में भारत सरकार की एक योजना का कार्यालय भी संचालित है जिस पर भी लाखों के फर्नीचर का कार्य हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि फर्नीचर व साज सज्जा पर खर्चा की खास वजह भी है जिसकी कार्यालय में चर्चा आम रहती है। बता दें कि विभागाध्यक्ष कार्यालय के प्रमुख के करीबी का एक एनजीओ भी है जिस पर भोपाल संभाग के जिले में पदस्थापना के दौरान विभागाध्यक्ष ने लाखों रूपए लुटाए थे।